डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-11 अंक-29 | प्रयागराज, रविवार 17 जुलाई 2022 से शनिवार 23 जुलाई 2022 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्य: 3 रूपये

सिनेमाः क्या 'केजीएफ' को टक्कर दे पाएगी 'शमशेरा'...8)

ब्रीफ न्यूज

बांग्लादेश में फिर हिंदुओं पर हमला, मंदिर में तोड़फोड़

बंग्लादेश। घर में लगाई आगमामला एक हिंदू लड़के द्वारा की गई फेसबुक पोस्ट से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी से कई मुस्लिम संगठन नाराज हो गए। बांग्लादेश में फिर से हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। यहां के नराइल के लोहागरा इलाके में हिंदुओं के घर पर हमला किया गया, वहीं एक घर में आग भी लगाई गई। बताया जा रहा है कि भीड़ ने एक मंदिर में भी तोड़फोड़ की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया, मामला एक हिंदू युवक द्वारा की गई फेसबुक पोस्ट से जुड़ा हुआ है। युवक द्वारा की गई पोस्ट से भीड़ नाराज हो गई और हिंदुओं के घरों पर हमला बोल दिया। भीड़ फेसबुक पोस्ट करने वाले युवक के घर में घुस गई और आग लगा दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की। अभी तक गिरफ्तारी नहीं नराइल के पुलिस अधीक्षक ने बताया, कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया घटना की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

नवीन जिंदल की सुरक्षा में तैनात पीसीआर वैन पर हमला

नई दिल्ली । आरोपियों ने तोड़े शीशे, ट्वीट कर दी जानकारीभाजपा से निष्कासित किए गए नवीन जिंदल की सुरक्षा में तैनात पीसीआर वैन पर शनिवार रात अज्ञात लोगों ने हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। रविवार सुबह जिंदल ने फोटो सहित ट्वीट कर घटना की जानकारी दी। पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी के बाद भाजपा से निष्कासित किए गए नवीन जिंदल की सुरक्षा में तैनात पीसीआर वैन पर शनिवार रात अज्ञात लोगों ने हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। रविवार सुबह जिंदल ने फोटो सहित ट्वीट कर घटना की जानकारी दी। मालूम हो कि बीते 29 जून को भी जिंदल को जान से मारने की धमकी मिली थी। शनिवार की घटना के बारे में बताते हुए जिंदल ने एक बार फिर दावा किया है कि इस्लामिक जिहादियों से उनके परिवार की जान को खतरा है।मालूम हो की हाल में ही पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी करने के कारण भारतीय जनता पार्टी ने नवीन जिंदल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

सर्वदलीय बैठक जारी, पक्ष और विपक्ष के कई बड़े नेता मौजूद

नई दिल्ली । पीएम मोदी नहीं हुए शामिलकेंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल वहीं विपक्ष से मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद हैं। सर्वदलीय बैठक जारी, पक्ष और विपक्ष के कई बड़े नेता मौजू संसद के कल से शुरू होने वाले मानसून सत्र से पहले सरकार द्वारा सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में भाजपा के नेता पीयूष गोयल और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी कर रहे हैं। विपक्ष की ओर से कई वरिष्ठ नेता हुए शामिल बैठक में विपक्ष की तरफ से कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी , जयराम रमेश, द्रमुक के टीआर बालू और तिरुचि शिवा, टीएमसी के सुदीप बंदोपाध्याय और एनसीपी के शरद पवार सहित लगभग सभी दलों के नेता मौजूद थे। इसके अलावा बैठक में बीजद के पिनाकी मिश्रा,

वाईएसआरसीपी के विजयसाई रेड्डी और मिधुन रेड्डी, टीआरएस के केशव राव और नामा नागेश्वर राव, राजद के एडी सिंह और शिवसेना के संजय राउत भी मौजूद थे। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा बता दें कि सरकार द्वारा सत्र शुरू होने से पहले मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और आम सहमति बनाने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाती है। उम्मीद है कि बैठक के दौरान विपक्ष अगिन्पथ योजना, अर्थव्यवस्था और बेरोजगारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर सकता है। वहीं सरकार से उम्मीद है कि वह अपने विधायी एजेंडे को आगे रखेगी। बता दें कि संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त को समाप्त होगा। पीएम मोदी की अनुपस्थिति पर कांग्रेस ने उठाया सवाल हालांकि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक से अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। संसद के आगामी सत्र पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक अभी शुरू हुई है और प्रधान मंत्री हमेशा की तरह अनुपस्थित हैं। क्या यह 'असंसदीय' नहीं है कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया।

एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ के सामने कौन विपक्षी दलों ने आज बुलाई बैठक

नई दिल्ली । एनडीए द्वारा उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के एलान के बाद आज विपक्ष भी अपने उम्मीदवार के नाम का एलान कर सकता है। बता दें कि एनडीए की तरफ से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बनाया गया है। उम्मीदवार जगदीप धनखड़ के सामने कौन विपक्षी दलों ने आज बुलाई बैठक भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन(एँ) ने अपने उपराष्ट्रपति

पद के उम्मीदवार का एलान कर दिया है। एनडीए की तरफ से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं विपक्ष भी आज अपने उम्मीदवार के नाम का एलान कर सकता है। विपक्षी पाटिर्यों ने आज इसके लिए एक अहम बैठक बुलाई है। अब देखने वाली बात यह होगी कि धनखड़ को टक्कर देने के लिए विपक्ष किसे उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाता है। हालांकि कांग्रेस ने पहले ही साफ कर दिया है वह अपनी पार्टी से उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार का नाम नहीं देगी। वहीं इस बैठक में संसद के मानसून सत्र में सरकार द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों-बिलों पर भी चर्चा की जा सकती है। जिसपर सबकि सहमति वहीं होगा उपराष्ट्रपति का उम्मीदवारः खड़ग राज्यसभा में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने दो दिन पहले ही बैठक की जानकारी दे दी थी। खड़गे ने कहा था कि कई नाम सामने हैं लेकिन जिस नेता पर सबकी सहमति बनेगी उसे ही उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाएगा। बता दें कि संसद का सत्र कल से शुरू होने वाला है। इसके लिए लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों की अलग-अलग सर्वदलीय बैठक भी बुलाई गई है। सर्वदलीय बैठक के बाद ही विपक्षी दलों के नेताओं की संसद परिसर में बैठक होगी और उसमें नाम तय किया जाएग उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 19 जुलाई और चुनाव 6 अगस्त बता दें कि मौजूदा उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है। चुनाव आयोग द्वारा पहले ही चुनाव को अधिसूचित किया जा चुका है और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 19 जुलाई है। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव छह अगस्त को होगा। धनखड़ को उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने बड़ा सियासी दांव खेला धनखड़ को उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने बड़ा सियासी दांव खेला है। धनखड़ जुलाई 2019 में बंगाल के राज्यपाल बने। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से उनका लगातार टकराव होता रहा। दोनों के बीच तल्खी इस कदर बढ़ चुकी थी कि मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को ट्विटर पर ब्लॉक कर दिया था। जुलाई 2019 में राज्यपाल बनने के बाद उसी साल दिसंबर में जाधवपुर यूनिवर्सिटी के बाहर छात्रों ने धनखड़ को रोककर काले झंडे दिखाए थे। इसके बाद से धनखड़ बंगाल की कानून व्यवस्था और वहां की सरकार की भूमिका को लेकर काफी मुखर रहे। वह सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट्स के जरिए यह लिखते रहे कि राज्यपाल के अधिकार क्या कहते हैं और किस तरह मुख्यमंत्री राज्यपाल को जानकारी देने के लिए बाध्य है। बंगाल की राजनीतिक हिंसा पर भी की थी टिप्पणी धनखड़ ने बंगाल में हुई राजनीतिक हिंसा के संदर्भ में एक बार यह भी कहा कि राज्य किस तरह लोकतंत्र का गैस चैम्बर बनता जा रहा है ।

देसी बम बनाते वक्त हुआ विस्फोट, दो की मौत; एक घायल

बंगाल। पुलिस ने बताया दोनों मृतक देसी बम बना रहे थे, लेकिन उसी दौरान उसमें विस्फोट हो गया। मौके से देसी बम बनाने वाला कच्चा माल भी बरामद किया गया है। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में रविवार पुलिस की टीम पहुंची। पुलिस ने बताया, तीनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया था, जहां दो को मृत घोषित कर दिया गया है। मौके से कच्चा माल बरामद पुलिस ने बताया दोनों मृतक देसी बम बना रहे थे,

तड़के बड़ा हादसा हो गया। यहां एक बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक अन्य घायल हो गया। यह हादसा देसी बम बनाते वक्त हुआ। मृतक की पहचान फरजान एसके (45) और सफीकुल इस्लाम (30) के रूप में हुई है पुलिस अधिकारियों ने बताया, मानिकचक थाना क्षेत्र में यह हादसा करीब ढाई बजे हुआ। स्थानीय लोगों ने धमाके की सूचना दी, जिसके बाद मौके पर लेकिन उसी दौरान उसमें विस्फोट हो गया। मौके से देसी बम बनाने वाला कच्चा माल भी बरामद किया गया है। पुलिस अब इस जांच में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ यहां कैसे पहुंचा और इन लोगों को मकसद क्या था पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार यादव ने बताया स्थिति नियमंत्रण में हैं। इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है।

भारत-चीन के बीच 16वें दौर की बैठक शुरू

नई दिल्ली । सैनिकों को हटाने का दबाव बनाएगा भारतइससे एक दिन पहले चीनी राष्ट्रपति शी ने शिनजियांग का दौरा किया और अपने सैनिकों के साथ मुलाकात की। शी का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इस बीच दोनों देशों के मध्य 16वें दौर की

बातचीत शुरू हो गई है। लद्दाख सीमा पर तनाव के मुद्दे पर आज भारत-चीन के बीच कमांडर स्तर की 16वें दौर की बैठक शुरू हो गई है। उम्मीद है कि भारत डेपसांग और डेमचोक में मुद्दों के समाधान के अलावा शेष सभी फ्रिक्शन पॉइट्स पर जल्द से जल्द सैनिकों को हटाने के लिए दबाव डालेगा। भारत इस बात पर जोर देते हुए पूर्वी लद्दाख में सभी फ्रिक्शन पॉइट्स से सैनिकों को जल्द से जल्द हटाने के लिए दबाव बना रहा है कि द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के लिए सीमा पर शांति आवश्यक शर्त है। शी जिनपिंग ने शिनजियांग का दौरा किया इससे एक दिन पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शिनजियांग का दौरा किया और अपने सैनिकों के साथ मुलाकात की। यह अहम माना जा रहा है क्योंकि पीपुल्स लिबरेशन एमी (पीएलए) की शिनजियांग सैन्य कमान मई 2020 से दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के बीच लद्दाख क्षेत्र में भारत-चीन सीमा की देखरेख कर रही है। शिनजियांग में चीनी सैनिकों के साथ उनकी बैठक भारत और चीन के बीच रविवार को होने वाली 16वें दौर की सैन्य वार्ता से पहले हुई है। पिछले हफ्ते विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बाली में हुई बातचीत में पूर्वी लद्दाख से जुड़े विवाद का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन से इतर बाली में एक घंटे की बैठक में जयशंकर ने यी को पूर्वी लद्दाख में सभी लंबित मुद्दों के शीघ्र समाधान की जरूरत बताई थी। उन्होंने यह भी कहा था कि दोनों देशों के बीच संबंध आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हितों पर आधारित होने चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि टकराव वाले कुछ स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाए जाने का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए शेष सभी क्षेत्रों से सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए तेजी लाने की आवश्यकता को दोहराया। 5 मई 2020 को हिंसक झड़प हुई थी सैन्य और कूटनीतिक वार्ता की एक श्रृंखला के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों ने पिछले साल पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारे और गोगरा क्षेत्र में अलगाव की प्रक्रिया पूरी की थी। पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद 5 मई 2020 को भारत और चीन की सेनाओं के बीच पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद से दोनों देशों ने भारी भरकम हथियारों के साथ ही 50,000 से 60,000 सैनिकों की तैनाती की हुई है।

कोरोना ने बढ़ाई टेंशन, सक्रिय मरीजों की संख्या 1.43 लाख के पार, 49 लोगों की गई जान

नई दिल्ली । स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी रविवार (17 जुलाई) के आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1,43,449 हो गई है जो कि कल की तुलना में 2,689 अधिक है। देश में कोरोना के सक्रिय

मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी ने एक बार फिर से लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी रविवार (17 जुलाई) के आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1,43,449 हो गई है जो कि कल की तुलना में 2,689 अधिक है। वहीं बीते 24 घंटों में कोरोना के 20,528 नए मामले सामने आए हैं और 17,790 लोग स्वस्थ भी हुए। इस दौरान 49 मरीजों की जान भी चली गई। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 5,25,709 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली में कोरोना के 491 नए मामले दिल्ली में बीते 24 घंटों में कोरोना के 491 नए मामले सामने आए हैं और दो लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 605 मरीज स्वस्थ होकर अपने घर भी पहुंचे हैं। संक्रमण दर की बात करें तो यह 3.48 फीसदी दर्ज की गई है। राज्य में 1804 लोग अब भी बीमार हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को कोरोना गाइडलाइन का पालन करने और भीड़ वाली जगहों पर कम जाने की सलाह दी है। मुंबई में 282 नए मामले देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 282 नए मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुंबई में अब तक कोरोना के 11 लाख 19 हजार 897 नए केस सामने आ चुके हैं जिनमें से 19 हजार 630 लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र में 2,382 नए केस दर्ज महाराष्ट्र में बीते 24 घंटों में कोरोना के 2,382 नए मामले सामने आए और आठ मरीजों की मौत हो गई।

उत्तरी ग्रीस में यूक्रेन का मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त, आठ लोग थे सवार

यूक्रेन। शनिवार देर रात उत्तरी ग्रीस में यूक्रेन का एक कार्गो विमान हादसे का शिकार हो गया। यह विमान एक यूक्रेनी कंपनी के स्वामित्व वाला एंटोनोव ए -12 था, जो सबिया से जॉर्डन के लिए उड़ान पर था। इसमें आठ लोग सवार थे। यूक्रेन स्थित एयर कैरियर द्वारा संचालित एक मालवाहक विमान शनिवार देर रात जो सबिया से जॉर्डन के लिए उड़ान पर था। पर अपलोड किए गए वीडियो फुटेज में विमान को आग की लपटों में जमीन से टकराने से पहले तेजी से उतरते हुए दिखाया गया है, जो एक विस्फोट जैसा लगता है। दमकल विभाग विमान के प्रकार की पुष्टि नहीं कर सका, लेकिन कहा कि शुरुआती रिपोर्ट में आठ लोग सवार थे। इसने

उत्तरी ग्रीस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ग्रीस के नागरिक उड्डयन अधिकारियों के मुताबिक, विमान में 8 लोग सवार थे। पायलट ने इंजन में खराबी के कारण आपात लैंडिंग का अनुरोध किया था, लेकिन विमान का सिगन्ल खो गया और हादसे का शिकार हो गया। शनिवार देर रात उत्तरी ग्रीस के कवला शहर के पास आठ लोगों के साथ एक मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दमकल विभाग और राज्य टीवी ने यह जानकारी दी है। स्टेट टीवी ईआरटी ने बताया कि विमान एक यूक्रेनी कंपनी के स्वामित्व वाला एंटोनोव ए -12 था, एक बयान में कहा कि दुर्घटना के बाद लगी आग को बुझाने के लिए 15 दमकलकर्मियों और सात इंजनों को तैनात किया गया। और भी बचावकर्मियों को भेजा गया है। विशेष आपदा प्रतिक्रिया इकाई घटनास्थल की जांच कर रही है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि हम कार्गो को खतरनाक सामग्री मान रहे हैं। रूस-यूक्रेन जंग जारी यह हादसा ऐसे वक्त पर हुआ है जब यूक्रेन और रूस के बीच जंग जारी है। रूस ने यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए हैं और रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

नवाज शरीफ की बेटी मरियम ने इमरान की पार्टी से मांगा 'दोस्ती का हाथ'

पाकिस्तान। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी और पीएमएल-एन की नेता मरियम नवाज ने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से 'दोस्ती का हाथ' मिलाने की पेशकश की। पाकिस्तान की सत्तारूढ पीएमएमल-एन नेता और अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने पहली बार इमरान खान की पार्टी पीटीआई को 'दोस्ती का हाथ' बढ़ाने की पेशकश की है। मरियम ने कहा कि मुख्यधारा के दो राजनीतिक दलों के बीच की लड़ाई देश हित में नहीं है। मरियम ने मुल्तान शहर में शुक्रवार को पंजाब प्रांत के अहम उपचुनावों से पहले पीएमएल-एन की रैली को संबोधित करते हुए कहा, ठमैं पीटीआई से नहीं लड़ना चाहती। मैं चाहती हूं कि पाकिस्तान तरक्की करे और इसके लिए मैं पीटीआई के युवाओं और उसके समर्थकों को दोस्ती, शांति और प्यार का हाथ देती हूं। मैं सबसे पहले यह पहल सिर्फ पाकिस्तान के लिए कर रही हूं। मैं इमरान खान से देश को आगे बढ़ाने के लिए भी कहती हूं। पीएमएल-एन नेता ने हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को चेतावनी भी दी कि उनकी 'शांति की पेशकश' को उनकी पार्टी (पीएमएल-एन) की कमजोरी के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए क्योंकि वह 'जैसे को तैसा' जवाब देना भी जानती हैं। पंजाब की 20 प्रांतीय विधानसभा सीटों पर रविवार को को

उपचुनाव होने हैं। अगर इमरान की पीटीआई 12 से 13 सीटें जीतती है तो वह सदन में बहुमत हासिल करके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे व पंजाब के मुख्यमंत्री हमजा शहबाज को बाहर करने में कामयाब हो जाएगी। शीर्ष अदालत पहले ही 22 जुलाई को मुख्यमंत्री के लिए फिर से चुनाव की घोषणा कर चुकी है। मरियम नवाज ने पाकिस्तान के चुनाव पर भी निशाना साधा और 2018 के चुनावों में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय के बाद उन्हें ठअच्छी नींदठ आई क्योंकि उनकी पार्टी की सरकार ने पेट्रोल की कीमतों में कमी की है।

उमस भरी गर्मी के चलते स्कूल में शिक्षण कार्य के दौरान बच्चे हो रहे अचेत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। बरसात के दिनों समय से बारिश न होने के कारण उमस भरी गर्मी इतनी बढ़ती जा रही है की गांव के बच्चे भी स्कूलों में शिक्षण कार्य के दौरान अचेत हो रहे है जो चिंता का विषय है इससे अध्यापकों सहित अभिभावकों में हड़कंप मच गया है। फूलपुर विकास खंड के कोड़ापर उच्च प्राथमिक विद्यालय सहित चंदौकी गांव के परिषदीय विद्यालय में शिक्षण कार्य के दौरान बच्चो का अचेत हो जाने से शिक्षको सहित अभिभावक परेशान है शुक्रवार को शिक्षण कार्य के दौरान कोड़ापर उच्च प्राथमिक विद्यालय में कोड़ापुर गांव का कक्षा 6 का छात्र अचानक अचेत होकर गिर पड़ा तो बच्चो और अध्यापकों में हड़कंप मच गया अध्यापक उसे पास के अस्पताल में

ले जाकर भर्ती कराने के बाद उपचार शुरू कराया तो थोड़ी ही देर में उसी विद्यालय का मलकापुर गांव का रहने वाला कक्षा 7 का छात्र सत्यम अचेत होकर गिर पड़ा इससे अध्यापक और बच्चे घबड़ा गए उसे भी पास के अस्पताल में भर्ती कराने के साथ ही अभिभावकों को सूचना दिया तो अभिभावक भी भागकर अस्पताल पहुंचे दोनो बच्चो को उपचार के बाद छोड़ दिया गया इसी प्रकार फूलपुर विकास खंड के चंदौकी गांव के प्राथमिक विद्यालय में एक छात्र अचेत हो गया उसका भी अध्यापकों ने उपचार कराया इस बाबत डाक्टरों का कहना है की जो बच्चे अधिक गर्मी को बर्दास्त नही कर पा रहे है उनको चक्कर आने के कारण अचेत हो जा रहे है यह सामान्य बीमारी है जब की अधिकांस अभिभावकों का कहना है की सरकार को प्रचंड गर्मी को देखते हुए स्कूलों को बंद कर देना चाहिए। फूलपुर से मौजी लाल रावत की रिपोर्ट।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज द्वारा जनपद अमेठी में आज एक प्रचार प्रसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिसमें श्री रविंदर कुमार, क्षेत्रीय निदेशक ने संस्थान द्वारा संचालित माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक, व्यावसायिक एवं मुक्त बेसिक शिक्षा कार्यक्रमों की जानकारी विस्तार से दी गयी। इसके अलावा अन्य पारंपरिक बोर्डों की अपेक्षा एनआईओएस द्वारा दी जा रही विशेष सुविधाओं जैसे घर बैठे ऑनलाइन प्रवेश व स्वाध्ययन की सुविधा, बिना किसी अतिरिक्त शुल्क घर पे अध्ययन सामग्री प्रदान करना, प्रवेश हेतु अधिकतम आयु सीमा की कोई बाध्यता नही, क्रेडिट संचयन की सुविधा, प्रवेश की वैधता 5 वर्ष एवं इस दौरान 09 बार परीक्षा देने का अवसर, जब चाहो तब परीक्षा का विकल्प, शैक्षणिक सहायता हेतु निकटतम अध्ययन केंद्र चुनने एवं पीसीपी कक्षाओं की सुविधा, पार्ट एडमिशन की सुविधा, टीएमए द्वारा स्वमूल्यांकन की सुविधा, न्यूनतम प्रवेश एवं परीक्षा शुल्क, 100 से अधिक व्यावसायिक पाठ्यक्रमो के माध्यम से रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने इत्यादि से उपस्थित श्रोतागणों को अवगत कराया गया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान ऐसे छात्रों का भविष्य निर्माण करने में सहयोग करता है जो किसी कारणवश अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए हैं दूसरे बोर्डों से किन्हीं विषयों में फेल हुए छात्र एनआईओएस से फार्म भरकर परीक्षा देकर के सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं यह सर्टिफिकेट संपूर्ण भारत में मान्य है इसके आधार पर अभ्यर्थी दूसरी कक्षा में प्रवेश पा सकता है अथवा सरकारी एवं गैर सरकारी नौकरियों में अपना स्थान अपनी योग्यता के अनुरूप सुरक्षित कर सकता है। कार्यक्रम में एनआईओएस से श्री रविंदर कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, श्री हितेश कुमार दीक्षित, सहायक, श्री संजय श्रीवास्तव, कार्यालय सहायक, श्री पवन कुमार वर्मा, कार्यकारी अधिकारी, क्षेत्रीय केंद्र अमेठी के अतिरिक्त डॉ आराधना राज, उपनिदेशक, नेहरू युवा केन्द्र, डॉ अंगद सिंह, प्रवक्ता, आर आर पी जी कॉलेज, डॉ धनंजय सिंह, प्रवक्ता, आर आर पी जी कॉलेज, श्रीमती अरुणा सिंह, प्रधानाचार्या, आर्य समाज मंदिर स्कूल, श्री अनुराग जायसवाल, निदेशक, राष्ट्रीय कंप्यूटर संस्थान एवं 50 स्थानीय छत्राएँ उपस्थित थीं।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के तहत किया गया पौधारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। हेमवती नंदन बहुगुणा पी0जी0कालेज लालगंज में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत कालेज परिसर में अध्यक्ष डॉ0 वीरेन्द्र कुमार मिश्र ने पौधारोपण किया। इस समय शासन के निर्देशानुसार वृक्षारोपण पखवाड़ा चल रहा है महाविद्यालय के प्रबंधक ने पौधारोपण करते हुए कहा कि पर्यावरण को यदि बचाना है तो पौधे लगाना जरूरी है।पौधारोपण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों द्वारा क्यारियों एवं गमलों की निराई गुड़ाई भी की गई। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0फणीन्द्र नारायण मिश्र ने भी अपने छात्रों के साथ पौध रोपण करते हुए पौधों के महत्व को विस्तार से बताया और इसके प्रति उनसे जन-जन में जागरूकता लाने का आह्वान किया।इस अवसर पर डॉ0 संतोष मिश्र, शिवाकांत मिश्र, अरविंद मौर्य, संतोष दुबे, गोविंद, छोटे दुबे, राम कृष्ण तिवारी, सहित छात्र- छात्राओं ने सहयोग किया।

समाधान दिवस में उमड़ी भीड़ लगवानी पड़ी लाइन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। गांवों में बढ़ रहे जमीनी विवाद जिसके कारण नित्य मारपीट के मुकदमें बढ़ रहे हैं। उन्हीं के मद्देनजर आज के समाधान दिवस में काफी संख्या में फरियादी जुटे। अंततः पुलिस को लाइन लगवानी पढ़ी थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय ने सहायतार्थ जय सिंह नारायण यादव वरिष्ठ उपनिरीक्षक भी फरियादियों को सुन रहे थे। अधिकांश मामले तो मौके पर निपट गए। कुछ में पुलिस व राजस्व विभाग की जॉइंट टीम को मौके पर निपटाने हेतु सात प्रार्थना पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर उप निरीक्षक माजिद खान निखिल कुमार चौकी इंचार्ज विनय कुमार दुबे राजेश वर्मा आदि के अलावा लेखपाल राजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे।

दुष्कर्म व हत्या के दोषी को मिली फांसी की सजा रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म व हत्या के दोषी को मिली मौत की सजा रद्द कर दी है और आरोपों से बरी करते हुए उसकी तत्काल रिहाई का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष संदेह से परे अपराध साबित करने में नाकाम रहा है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों तथा अभियुक्त व मृतका को अंतिम समय देखने के साक्ष्य विश्वसनीय नहीं है, जिसके आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया जा सके। यह फैसला न्यायमूर्ति मनोज मिश्र तथा न्यायमूर्ति समीर जैन की खंडपीठ ने बीरेंद्र बघेल की जेल अपील को स्वीकार करते हुए दिया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष अदालत पॉक्सो, फिरोजाबाद ने बीरेंद्र बघेल को दुष्कर्म व हत्या का दोषी करार देते हुए उसे मौत की सजा सुनाई थी। फांसी की सजा की पुष्टि के लिए हाईकोर्ट को रिफरेंस भेजा गया था।

ध्यान योग जन जागृति सेवा संस्थान द्वारा आयोजित, परम उत्सव गुरु पूर्णिमा महोत्सव सत्संग साधना शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । श्री कटरा रामलीला कमेटी प्रयाग, इंडियन प्रेस चौराहा, कर्नलगंजमें आयोजित होने जा रहा है जिसके उपलक्ष्य में आज दिनांक 11 जुलाई को पत्रकार वार्ता रखी गई जिसमें पूज्य श्री गुरुदेव श्री स्वामी कमलेश्वरानंद जी ने सभी पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त किया एवं बताया कि, हम प्रत्येक मनुष्य का धर्म है कि इस सांसारिक जीवन की तुष्टि और पुष्टि के साथ-साथ आध्यात्मिक जीवन की संपूर्णता भी प्राप्त करें मानव जीवन के दो पहलू हैं संसार और सांर हम सार तत्व को भूलकर संसार में सब कुछ प्राप्त करते हुए भी संतोष और आनंद नहीं प्राप्त कर सकते, इस कारण हम असंतुष्ट होते हैं। जीवन में कोई भी बाधा परेशानी ना आए संसार सुनियोजित रूप से चले इसके लिए हमें सदुरु शरण में जाकर उच्च कोटि की दीक्षा प्राप्त करनी चाहिए ,मानव जीवन में सुख और दुख दोनों जीवन अभिनन्न अंगहैं यदि मनुष्य चाहे तो वह सुख दुख से ऊपर उठकर आनंद का जीवन जी सकता है मनुष्य जीवन को ओजस्विता एवं तेजस्विता की ओर अग्रसर कर सकता है इसके लिए सदुरु सानिध्यता की अत्यंत आवश्यकता है गुरु से उच्चकोटि का ज्ञान प्राप्त कर सांसारिक जीवन को सुखमय ही नहीं आनंदमय भी आप बना सके इसी हेतु इस गुरुपूर्णिमा पर गुरु जी द्वारा परमार्थ ब्रह्म दीक्षा प्राप्त कर जीवन में संपूर्णता प्राप्त करने की कामना करने हेतु आप इस सत्संग साधना शिविर में अवश्य पधारें इसी क्रम में गुरुमां नम्रता कमलिनी जी ने भी प्रयागराज के सभी सुधिजन को आमंत्रित किया 2 दिनों की सत्संग साधना शिविर हेतु, निवेदन किया कि वे समय पर उपस्थित होकर आध्यात्मिक चेतना से लाभान्वित हो सके कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक श्री लालू मित्तल जी ने गुरु जी एवं नम्रता दीदी का परिचय देने के साथ ही साथ प्रयागराज के सभी माननीय सदस्यों को यह भी बताया कि किस प्रकार से गुरु से जुड़ने के बाद उनका व्यक्तिगत जीवन भी लाभान्वित हुआ प्रभावित हुआ एवं अपने कार्य क्षेत्र में उन्हें कितनी ओजस्विता प्राप्त हो चुकी है, लालू जी ने कहा कि हमें सांसारिक जीवन जीते हुए भी आध्यात्मिक क्षेत्र में भी कुछ उन्नति अवश्य प्राप्त करनी चाहिए यदि हम अपने जीवन को सुखी बनाना चाहते है अपने जीवन में संतुष्ट होना चाहते है अपने जीवन में कुछ कर गुजरने की क्षमता रखते हैं एवं उसके लिए मार्गदर्शन चाहते हैं तो हमें गुरुजी के पास अवश्य आना चाहिए शिविर और सत्संग में अवश्य समय देना चाहिए जिससे हम अपने जीवन को और भी अच्छा बना सकें श्री लालू मित्तल जी ने यह भी बताया कि किस तरीके से हम अपने सांसारिक कार्यों को निभाते हुए उस ब्रह्म की उपासना सदुरु के माध्यम से कर सकते हैं एवं आत्मिक संतुष्टि अपने जीवन में प्राप्त कर सकते हैं इसके लिए उन्होंने सभी नगर वासियों को 12 एवं 13 जुलाई कार्यक्रम स्थल पर आने का निवेदन किया है, कार्यक्रम का समय सायं 4 से 8 बजे तक है, कार्यक्रम में प्रस्तुत ध्यान योग सिद्धाश्रम काशी के प्रमुख माननीय अभिभावक श्री सतीश चंद्र मिश्रा जी भी सपरिवार उपस्थित रहे,विभिनन राज्यों से आए हुए साधक शिष्य भी उपस्थित हुए हैं, मीडिया संचालन अमृता अमृतम जी द्वारा किया गया तथा सहयोगी संस्थान सदस्य पंडित अमित तिवारी जी, प्रदीप सिंह जी नरेंद्र शुक्ला अभिषेक सिंह बघेल मोहित सिंह आदि उपस्थित रहे ।

मतदाता सूची में आधार नम्बर एकत्र करने हेतु चलेगा अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार आयोग द्वारा मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्र किये जाने हेतु अभियान चलाया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि आधार नम्बर एकत्र किये जाने की कार्यवाही दिनांक 01 अगस्त 2022 से प्रारम्भ होगी। उसके पूर्व समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित समस्त बी0एल0ओ0 एवं सुपरवाइजरों को दिनांक 21 जुलाई तक आधार नम्बर एकत्र किये जाने के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा एवं प्रशिक्षण अवधि के सम्बन्ध में तिथिवार कार्यक्रम जिला निर्वाचन कार्यालय में अविलम्ब भेजना सुनिश्चित करेगें। समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दिनांक 21 जुलाई तक समस्त बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित करने का प्रमाण पत्र दिनांक 22 जुलाई तक प्रत्येक दशा में उपलब्ध करायेगें जिससे दिनांक 23 जुलाई को वांछित प्रमाण पत्र आयोग को भेजा जा सके। उन्होने बताया है कि यदि मतदाता के पास आधार नम्बर नही है और वह अपना आधार नम्बर प्रस्तुत करने में सक्षम नही है तो उसे फार्म-6बी में उल्लिखित 11 प्रकार के दस्तावेजों में से किसी एक की प्रति संलग्न करने के लिये कहा जायेगा। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मतदाता सूची में सम्मिलित किसी भी प्रविष्टि को इस आधार पर अपमार्जित नही करेगा कि किसी मतदाता द्वारा आधार नम्बर प्रस्तुत/सूचित नही किया गया है। उन्होने बताया है कि किसी भी परिस्थिति में आधार नम्बर को सार्वजनिक नही किया जाना है। यदि मतदाता की जानकारी को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है तो आधार विवरण को हटा दिया जाना चाहिये अथवा उसे छुपा दिया जाना चाहिये। आधार नम्बर एकत्र किये जाने के सम्बन्ध में दिनांक 01 अगस्त 2022 को जनपद स्तर पर जिलाधिकारी द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा। विधानसभा स्तर पर कार्यक्रम का शुभारम्भ सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण द्वारा दिनांक 01 अगस्त को किया जाना है। आमजन मानस को आधार नम्बर जमा करना स्वैच्छिक है। आधार नम्बर एकत्र किये जाने हेतु विशेष कैम्पों के आयोजन के सम्बन्ध में प्रथम कैम्प दिनांक 04 सितम्बर 2022 को निर्धारित किया गया है, शेष कैम्पों के बारे में पृथक से सूचित किया जायेगा। आधार नम्बर एकत्र किये जाने हेतु कार्यक्रम दिनांक 31 मार्च 2023 तक फार्म-6बी में आधार संख्या एकत्र करने के लिये मतदाता सूची में पंजीकृत 100 प्रतिशत मतदाताओं से सम्पर्क करने के लिये संभावित लक्ष्यों को निर्धारित किया गया है।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 जून 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

शराब की दुकान को हटाने की मांग को लेकर आक्रोशित महिलाओं ने किया विरोध प्रदर्शन व चक्का जाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (रोहनिया)। राजातालाब थाना क्षेत्र के कचहरिया गांव में खुले शराब की दुकान को बंद कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को सुबह 9:30

पर लक्ष्य फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ रंजना शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने जिजापुर से जखिखनी जाने वाली रोड पर चक्का जाम व विरोध प्रदर्शन किया। चक्का जाम के वजह से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन हेतु काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।जिसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंचे राजातालाब थाना प्रभारी राम आशीष राम ने आक्रोशित महिलाओं को समझा-बुझाकर शराब की दुकान हटवाने का आश्वासन देकर चक्का जाम समाप्त कराया। आक्रोशित महिलाओं द्वारा सुबह 9:30 बजे से लेकर 11 बजे तक लगभग डेढ़ घंटा तक चक्का जाम चला।लक्ष्य फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ रंजना शर्मा ने बताया कि इस शराब की दुकान का लाइसेंस महगांव में हुआ है जिसका गुरुवार को महगांव की आक्रोशित महिलाओं ने विरोध किया तो शुक्रवार को कचहरिया गांव में शराब की दुकान खोल दिए।जिसे देखकर कचहरिया गांव की महिलाएं आगबबूला होकर आक्रोशित महिलाओं ने शराब की दुकान को तुरंत हटाने की मांग को लेकर जिजापुर से जखिखनी जाने वाले मार्ग पर चक्का जाम कर दिया।सूचना पाकर मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी सदर अखिलेश राय ने शराब की दुकान को तुरंत बंद करने तथा दुकान से शराब खाली करने का निर्देश दिया। और दुकानदार श्रीप्रकाश जायसवाल से शराब की दुकान की चौहद्दी दिखाने को कहा है। इस दौरान मुख्य रूप से डॉ रंजना शर्मा,लक्ष्मी देवी, अनीता, निर्मला देवी, सुनीता देवी, चंपा देवी, फरजाना, रीता देवी, सरिता देवी ,विमला देवी, मंजू देवी, अमरावती देवी, इंद्रावती देवी, निर्मला देवी,सावित्री देवी ,शांति देवी, मंजू देवी, उर्मिला ,सविता ,कलावती, मीरा, सितारा इत्यादि ग्रामीण महिलाएं शामिल रहीं।

बलिया मे अज्ञान की अंधेरे गांव मे ज्ञान की रेखा बना रही है ज्ञानकुंज की छात्रा स्वीटी

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। जिले के शेखपुर निवासी सरकार बहादुर की बेटी और भाई साइकिल का पंचर बनाने वाले मिस्त्री के छोटी बहन की इस नेक पहल को सलाम!आईएएस कर डीएम बन नारी समाज के उत्थान और लड़कियो को उनके भविष्य बनाने की सपना संजोये जनपद के शिक्षा की क्षेत्र मे अग्रणी विद्यालय ज्ञानकुंज एकेडमी बंशीबाजार की पांचवी की एक होनहार 9-10 वर्षीय छात्रा कुमारी स्वीटी अपने गांव के अति गरीब 20 बच्चे को नियमित ट्यूशन पढ़ाने का नेक काम कर रही है।उसके इस जज्बे की नगर व क्षेत्र मे खूब तारिफ हो रही है। उसका मनोबल बढ़ाने के लिए उसके इस जज्बे की सम्मान उसके स्कूल मे भी बखूबी मिल रहा है। जिससे उस होनहार छात्रा की मनोबल आसमान तक हवा के छोके का रफ्तार की तरह उछाले तक पहुंच सके।आज मंगलवार को विद्यालय के प्रेसिडेंट श्री ज्योति स्वरूप पाण्डेय ने ज्ञानशिखा टाइम्स से खास मुलाकात कराया। उत्तर-प्रदेश के बलिया में बंशीबाजार स्थित ज्ञानकुंज एकेडमी के 9-10 वर्षीय 5वीं की छात्रा स्वीटी खुद गरीब रहकर भी गांव के अतिगरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने के साथ ही उन्हें कॉपी-किताब भी मुहैया करा रही हैं.वहीं स्वीटी अपने इस मुहिम से बच्चों के भविष्य को संवारने का काम कर रही हैं। समाज के प्रति जागरूक करीब 9-10 वर्षीय पाँचवी की छात्रा स्वीटी समाज के गरीब और अभावग्रस्त नौनिहालों का भविष्य संवारने का काम कर रही हैं। गरीब छात्रों को शिक्षा देने के साथ-साथ अपने जेब खर्च से बचत कर इन बच्चों के लिए कॉपी-किताब भी मुहैया कराती हैं। होनहार छात्रा कुमारी स्वीटी नारी समाज के उत्थान और लड़कियो को उनके भविष्य बनाए रखना चाहती हैं। गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने के लिए उसने अपने भाई की पंचर बनाने वाली कमरे को खूब साफ-सफाई कर बच्चो को बैठने की पहले जगह बनाई और अपनी पढ़ाई करने की दरम्यान उसने सुबह 5 बजे और दिन मे पांच बजे दो पाली मे 20 बच्चो को ट्यूशन पढ़ाई कराने का वाणी उठाया है। इस होनहार और समाज सेवा की जज्बा बनाए रखने मे शुमार स्वीटी ने बताया कि पहले शुरुआती दौर मे मेरी मम्मी को बुरा तो लगा की दूसरे को पढ़ाई कराने की चक्कर मे कही

मेरी बेटी कमजोर ना हो जाए किन्तु बाद मे वह भी मेरा भरपूर सहयोग करने लगी। ज्ञानकुंज की होनहार छात्रा स्वीटी का कहना है कि शेखपुर गांव मे ट्यूशन पढ़ने के लिए कोई नजर काफी दिनो से नही आ रहा था।इस बात का बहुत मलाल था कि इन बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। जिसके बाद स्वीटी ने इन बच्चों के भविष्य को संवारने का बीड़ा उठाया और इनके माता-पिता से मिलकर बच्चों को शिक्षा देने के लिए प्रेरित किया। जब कुछ अभिभावक गरीबी की दुहाई देने लगे तो छात्रा ने बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने के साथ-साथ कॉपी किताब देने की भी जिम्मेदारी खुद अपने पर ही ले ली। आम लोग मे यह कहा जाता है कि किसी समाज या घर मे कोई व्यक्ति साक्षर या शिक्षित बन जाता है तो धीरे-धीरे उसकी बेहतरी की कवायद शुरू हो जाती है। एक के बाद एक व्यक्ति भी साक्षर बन जाता है। समाज की बेहतरी के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण अवश्य है। इसके बिना अच्छे समाज या घर की कल्पना भी अधूरी है। यह तभी संभव होगा, जब सभी एकजुट होकर अशिक्षा का अंधियारा मिटाने की कोशिश करेंगे। ऐसा ही भगीरथ प्रयास ज्ञानकुंज की एक होनहार छात्रा कुमारी स्वीटी कर रही हैं।वह गरीब व असहाय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दे रही हैं।वह बताती हैं कि जब वे खुद क्लास टू मे विद्यार्थी थी, तबसे ही छोटे बच्चों के साथ उनका लगाव रहा। हर मुश्किल परिस्थिति में भी छात्र-छात्राओं को पढ़ाना नहीं भूलती हैं।कुमारी स्वीटी भले आर्थिक रूप से कमजोर हैं, लेकिन वह बड़े हौसलों के धनी हैं। वह कहती हैं, छोटे बच्चों को पढ़ाना उन्हें अच्छा लगता है।उनका सपना समाज को सुशिक्षित बनाने है, जिसे पूरा करने के लिए समय और मौसम नहीं देखते हैं। ज्ञानकुंज एकेडमी के प्रेसिडेंट श्री ज्योति स्वरूप पाण्डेय, प्रबंधक डा0 देवेंद्र नाथ सिंह,प्रिंसिपल श्रीमती सुधा पाण्डेय ने होनहार छात्रा कुमारी स्वीटी की इस सामाजिक नेक पहल की जिज्ञासा और उसके जज्बे को परस्पर बनाए रखने के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही। इस दौरान जिले के शिक्षा की गुणवत्ता मे अग्रणी विद्यालय ज्ञानकुंज एकेडमी की प्रिंसिपल श्रीमती सुधा पाण्डेय ने कहा कि समाज से अज्ञानता का अंधेरा मिटाने के लिए बच्चों को शिक्षित करना बहुत जरूरी है। शिक्षा प्राप्त करने से ही अच्छे ज्ञान व संस्कार मिल सकते है।बच्चे ही देश के भविष्य है,इस लिए उन्हें शिक्षित करना हर मायने मे जरूरी है। अगर वह शिक्षित होंगे तो अपने परिवार व समाज मे भी ज्ञान का उजियारा फैलाएंगे और सभ्य समाज का निर्माण कर सकेंगे।

मुख़्तार के करीबी बैजनाथ यादव की डेढ़ करोड़ से अधिक की सम्पत्ति होगी कुर्क, डीएम ने पारित किया आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
मधुसूदन तिवारी

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने शनिवार को गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुएसरायलखंसी थाना क्षेत्र के सरवां गाँव निवासी बैजनाथ यादव पुत्र खुद्दी यादव की अवैध तरीके से अर्जित किये धन से सरवां स्थित आराजी संख्या 7 सौ 97 मि. में रकबा 0.070 हेक्टेयर भूमि, जिसकी चौहद्दी पूरब भूमि विद्यालय, पश्चिम सुभावती, उत्तर खेत मंगल व दक्षिण खेत कलीम है, को कुर्क करने का आदेश पारित किया। ज्ञात हो कि इस जमीन का बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ 55 लाख रुपए है। बैजनाथ यादव के विरुद्ध सरायलखंसी थाने में विभिनन्‍ धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। आदेश पारित करते हुए जिलाधिकारी अरुण कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में गैंगस्टर एक्ट के तहत अवैध तरीके से अर्जित किए गए धन के प्रयोग से निर्मित चल,अचल संपत्तियों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने का कार्य किया जा रहा है। जनपद में ऐसे सभी लोगों का चिन्हीकरण का कार्य किया जा रहा है,जो अवैध कार्यों में लिप्त है एवं जिनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के कार्रवाई करने के पर्याप्त आधार मौजूद है, एवं जिन्होंने अवैध तरीके से अर्जित धन से बड़ी संख्या में चल एवं अचल संपत्तियां खड़ी की है। ऐसे सभी लोगों के खिलाफ कुर्क की कार्रवाई की जाएगी।

रंजना पाण्डेय को फिर मिली महिला शिक्षक संघ बलिया की कमान

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। यूपी के प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्या की अध्यक्षता में आयोजित महिला शिक्षक संगठन की वर्चुवल मीटिंग में सर्वसम्मति से पूर्व जिलाध्यक्ष रंजना पांडे को संघ के प्रति उनके कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए पुनः जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया।महिला शिक्षक संघ जनपद कार्यकारिणी के एक साल पूर्ण होने के उपरांत नए जिलाध्यक्ष के चयन को लेकर हुई मीटिंग में प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री द्वारा रंजना पांडेय के नाम का प्रस्ताव रखा गया, जिसे ब्लॉक कार्यकारिणी ने पूर्ण सहमति दी। रंजना पाण्डेय को पुनः बलिया की कमान सौपे जाने पर महिला शिक्षक संघ मे हर्ष व्याप्त है।

आजादी की अमृत महोत्सव के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने सेनानी की पत्नियों को पुष्प भेंटकर स्मृति-चिंन्ह से नवाजा

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (वाराणसी)। देश के भारतीय रेलवे द्वारा चलाए जा रहे आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने के उपरांत आज शुक्रवार को

मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय के दिशा- निर्देशन मे वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा0 अभिषेक के नेतृत्व में मंडल के विभिनन्‍ स्टेशनों पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। दइस आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पतिन्यों को रेलवे सुरक्षा बल वाराणसी द्वारा सम्मानित किया गया। इस क्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय ने स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय श्यामा चरण मिश्रा की पतनी श्रीमती सरस्वती देवी (84 वर्षीय) को अपने कार्यालय में पुष्पगुच्छ ,स्मृति-चिन्ह एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया।स्वर्गीय श्री श्यामा चरण मिश्रा आजाद हिंद फौज के सदस्य के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में सहयोग किया था। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ0अभिषेक एवं रेलवे सुरक्षा बल की टीम मौजूद थी। इसके साथ ही स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय श्री श्यामलाल शर्मा जी की पतनै 102 वर्षीय श्रीमती कांता देवी को उनके आवास पर पहुँचकर सहायक सुरक्षा आयुक्त वाराणसी श्री एम0के0 गौतम एवं रेलवे सुरक्षा बल वाराणसी मंडल की टीम द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीमती कान्ता देवी वृद्धावस्था के कारण कहीं और जाने में असमर्थ है। स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय श्री श्यामलाल शर्मा जी ने स्वतंत्रता आन्दोलन में शहीद चंद्रशेखर आजाद के सहयोगी की भूमिका निभाई थी। इसी क्रम में सहायक सुरक्षा आयुक्त रेसुब,छपरा एवं रेलवे सुरक्षा बल छपरा की टीम द्वारा आज 08/07/2022 को छपरा शहर में समय 07.15 से 08.15 बजे तक करीब 8 किलोमीटर की एकता दौड़ का पूरे जोश और जज़्बात के साथ आयोजन कर रेल यात्रियों एवं आम नागरिकों को देश प्रेम के प्रति जागृत किया। इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा आम जनता को आजादी का महत्व समझाते हुए स्वतंत्रता संग्राम की वीर गाथाएँ सुनाई गईं और देश प्रेम की भावना के जागृत किया गया। इस एकता दौड़ में इई इएइ के कुल 55 अधिकारी गण,बल सदस्यों ने भाग लिया गया। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा आज शुक्रवार को रेल सुरक्षा बल पोस्ट गाजीपुर द्वारा रेलवे स्टेशन गाजीपुर सिटी के रेलवे सुरक्षा बल बैरेक एवं स्टेशन परिसर में पर्यावरण की शुद्धता के लिए अभियान चलाकर वृक्षारोपण किया। इसके साथ ही स्टेशन पर उपलब्ध यात्रियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण की रक्षा में सहयोग करने की अपील की गई। वही आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे सुरक्षा बल बलिया द्वारा रेलवे स्टेशन बलिया के सर्कुलेटिंग एरिया व प्लेटफार्म पर सफाई अभियान चलाया गया जिसमें कुल 15 बल कर्मियों द्वारा स्वच्छता अभियान में अपना योगदान देकर बलिया स्टेशन परिसर एवं प्लेटफॉर्म पर स्वच्छता अभियान चलाकर व्यापक साफ-सफाई की गई एवं साथ ही यात्रियों, कर्मचारियों एवं एकत्रित व्यक्तियों को अपना पर्यावरण साफ सुथरा रखने के बारे में जागरूक करते हुए स्वच्छता के लिए तत्पर रहने की शपथ दिलाई गई। इस आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट आज़मगढ़ द्वारा चिल्ड्रन सीनियर सेकंडरी स्कूलआज़मगढ़ में जागरूकता अभियान चलाया गया, जिमसें 200 बच्चे उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंघक के दिशा–निर्देश मे विभिन्न स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल ने अमृत महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (वाराणसी)। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय के निर्देशन

एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा0 अभिषेक के नेतृत्व में आज बुधवार को मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में आज 13ध07ध22 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल जाने वाले स्वतंत्रा संग्राम सेनानी स्व0भागवत सिंह निवासी – नराव, गरखा जिला छपरा की पत्नी गीता देवी एवं स्व० ललन प्रसाद निवासी – शिव बाजार , भगवान बाजार जिला – छपरा की पत्नी –जय मति देवी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में आज 13ध07ध22 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रेलवे सुरक्षा बलध्छपरा द्वारा छपरा एवं छपरा कचहरी रेलवे स्टेशन एवं स्टेशन परिसर में रिक्त भूमि पर शुद्ध पर्यावरण एवं स्वच्छता कायम रखने हेतु वृक्षारोपण किया गया। इसी क्रम में आज बुधवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सीवान रेलवे स्टेशन एवं प्लेटफॉर्म सं 01 पर जल महोत्सव अभियान चलाकर लगभग 1500 प्यासे यात्रियों को पीने का ठण्डा पानी पिलाया साथ ही मिठाइयाँ खिलाकर आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्दय कायम रखने की अपील की गई। इसी क्रम में आज 13ध07ध22 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रेलवे सुरक्षा बल देवरिया सदर के अधिकारीगण व स्टाफ द्वारा रेलवे स्टेशन देवरिया सदर के सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म नम्बर 01 पर प्रातः 07.30 बजे से 08.30 बजे तक कुल 15 स्टाफ द्वारा सफाई का कार्य किया गया। इसके साथ ही यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता कायम रखने में सहयोग करने की शपथ भी दिलाई गई । इसी क्रम में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिनांक 13.7.2022 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट टीईसी गोरखपुर (पूर्व) द्वारा एकता दौड़ का आयोजन किया गया जिसमे आर०पी० एस०एफ०के 18 तथा रेलवे सुरक्षा बल के 11 समेत कुल 29 बल सदस्यों ने भाग लिया।इस आशय की जानकारी अशोक कुमार जनसम्पर्क अधिकारी वाराणसी ने रेलवे की विज्ञप्ति मे दी।

मंडल रेल प्रबंधक ने गाजीपुर सिटी करीमुद्दीनपुर रेल खण्ड के दोहरीकरण कार्यों का किया गहन निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (वाराणसी)। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी श्री रामाश्रय पाण्डेय ने आज बुधवार को गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन से टॉवर वैगन से रवाना होकर गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर रेल खण्ड का गहन निरीक्षण किया।इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल पीआरएस काउण्टर, वाटर बूथ,पैदल उपरिगामी पुल, प्लेटफॉर्म एवं सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया और संबंधित को रख-रखाव एवं स्वच्छता के विषय मे निर्देश दिया। इसके साथ ही मंडल रेल प्रबंधक ने सिटी स्टेशन पर परिचलनिक व्यवस्था में संरक्षा के संबंध में स्टेशन मास्टर कक्ष ,पैनल एवं कैरेज कार्यालय का भी निरीक्षण मानक के अनुरूप शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। ट्रॉली निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने इस खण्ड में पड़ने वाले अंडर पास सं 30 समेत सभी समपार फाटकों पर दोहरीकरण के निमित्त बदलावों तथा सिगनलों,चेतावनी बोर्डों एवं सूचना बोर्डों के संस्थापन की जाँच की। इसके साथ ही गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर

इंजीनियर द्वितीय श्री सत्यम सिंह, वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री त्रयम्बक तिवारी,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (ऊंअ) पंकज केशरवानी एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ इंजीनियर अधिकारी उपस्थित थे। इसके पूर्व मंडल रेल प्रबंधक श्री पाण्डेय ने सड़क मार्ग से गाजीपुर सिटी पहुँच कर गाजीपुर सिटी स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया।उन्होंने सिटी स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं यथा विभिनन्‍ श्रेणी के महिला एवं पुरुष प्रतीक्षालयों,फूडस्टाल बुक स्टाल ,सामान्य यात्री हाल, यूटीएस एवं किया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने आर0वी0एन0एल द्वारा विकसित किये जा रहे अधिकारी विश्रामालय को मंडल के अधीनस्थ कर मेन्टेन करने का निर्देश दिया। मंडल रेल प्रबंधक टॉवर वैगन से करीमुद्दीनपुर पहुँचने के बाद पुश ट्रॉली से करीमुद्दीनपुर-गाजीपुर सिटी खण्ड का पुश ट्रॉली निरीक्षण किया।इस दौरान उ न्‍ हा ं ` ं न्‍ ा ` ढोंढाडीह,यूसुफपुर,शाहबाजकुली एवं गाज़ीपुर घाट समेत करीमुद्दीनपुर-शाहबाजकुली रेल खण्ड पर अंतिम चरण में चल रहे दोहरीकरण कार्यों की समीक्षा की और सभी कार्यो को खण्ड पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। मंडल रेल प्रबंधक ने करीमुद्दीनपुर - गाजीपुर सिटी रेल खण्ड पर पड़ने वाले विभिन्न स्टेशनों पर समुचित यात्री सुख-सुविधाओं के प्रबंधन समेत सार्वजनिक शौचालय एवं स्टेशनों पर पेयजल की निर्बाध आपूर्ति तथा स्टेशनों पर स्वच्छता सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में निर्देश दिया।इस आशय की जानकारी मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने अपनी जारी विज्ञप्ति मे दी है।

जौनपुर में खोदाई के दौरान तांबे के लोटे में मिले सोने के सिक्के

जौनपुर। पुलिस ने कब्जे में लिया मछलीशहर नगर के कजियाना मोहल्ले में शौचालय निर्माण के लिए गड्ढा खोदा जा रहा था। इस दौरान मजदूरों को एक तांबे का लोटा मिला जिसमें सोने के सिक्के थे। यूपी के मछलीशहर नगर के कजियाना मोहल्ला में मजदूरों की आंखें तब चमक उठीं जब जमीन जारी है। कुछ मजदूर फरार हैं मछलीशहर पुरानी बाजार की मलका राइन की बेटी कजियाना मोहल्ले में रहती है। मकान के पीछे शौचालय निर्माण के लिए गड्ढे की खोदाई बीते मंगलवार को हो रही थी। राजाबाबू और उसके पांच साथी काम कर रहे थे। करीब ढाई फीट भूमि खोदने के

खोदाई के दौरान एक तांबे के लोटे में सोने के सिक्के मिले। हालांकि उन्होंने इस बात की भनक किसी को नहीं लगने दी। किसी तरह जानकारी के बाद पुलिस ने सिक्कों को कब्जे में ले लिया है। सभी सिक्के अंग्रेजी हुकूमत के समय के हैं। मजदूरों से पूछताछ बाद एक बर्तन खनखना उठा। देखा तो वो तांबे को लोटा था। खोलने पर उसमें सोने के सिक्के दिखे। पहले तो भूत प्रेत के डर से उसे फेंक दिया, मगर फिर मजदूरों का मन बदला और जेब में सिक्के भरकर चले गए। इस बात की भनक उन्होंने किसी को भी नहीं लगने दी। अगले दिन फिर से वो मौके पर पहुंचे और गड्ढे की खोदाई में जुट गए। मलका राइन के बेटे को किसी मजदूर ने सोने के सिक्के मिलने वाली बात बता दी। तांबे के लोटे में थे कितने सिक्के, अबतक 10 बरामद इसके बाद उसने काम कर रहे मजदूरों से सिक्का मांगने लगा तो उसे एक सिक्का दिया गया। शाम होते-होते घटना की जानकारी पुलिस तक पहुंची। प्रभारी निरीक्षक देवानंद रजक मौके पर पहुंचे। मलका राइन के पुत्र के साथ मजदूरों के पास गए। मजदूरों ने पहले तो ऐसी किसी घटना से इनकार किया मगर पुलिस ने सख्ती बरती तो उन्होंने सोने के सिक्के मिलने की बात स्वीकार की।मजदूरों ने पुलिस को सोने के 9 सिक्के दिए। इस प्रकार कुल 10 सिक्के पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। तांबे के लोटे में कितने सिक्के थे ये अभी तक साफ नहीं है। पुलिस मजदूरों से पूछताछ कर रही है। प्रभारी निरीक्षक देवानंद रजक ने कहा कि मैं मौके पर गया था। मजदूरों से संपर्क किया गया तो कुल 10 सिक्के मिले। सभी सिक्कों को सरकारी खजाने में जमा कर दिया गया है। मजदूरों से पूछताछ जारी है।

सरयू नदी की रेत में मिला चांदी का 30 किलो वजनी शिवलिंग

मऊ। जिले के दोहरीघाट में कुछ लोगों ने सरयू नदी के पुल के नीचे एक चमकती हुई वस्तु देखी। वस्तु को बाहर निकालने पर पता चला कि यह शिवलिंग है। करीब 30 किलो वजन के शिवलिंग को रुद्राभिषेक के बाद

पुलिस थाने ले आई। सावन के महीने की शुरुआत हो चुकी है और इसी बीच यूपी के मऊ जिले में सरयू नदी पुल के नीचे रेत में 30 किग्रा का चांदी का शिवलिंग मिला है। चांदी के शिवलिंग का मिलना लोग चमत्कार मान रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे थाने ले आई। बाद में आचार्य उसे मंदिर लाए और उसका रूद्राभिषेक किया। जानकारी के मुताबिक, दोहरीघाट कस्बा निवासी राममिलन निषाद शनविरा सुबह नदी में नहा रहा था। वह पूजा पात्र को धोने के लिए नदी से मिट्टी निकाल रहा था कि उसे रेत में कुछ होने का आभास हुआ तो वह वहां खोदने लगा। इसी बीच उसने मछली पकड़ रहे रामचंद्र निषाद को बुलाया। दोनों को खोदाई में चांदी का शिवलिंग मिला तो आश्चर्य चकित रहे गए। सवा फीट ऊंचा है शिवलिंग सूचना मिलने पर रामचंद्र निषाद की लड़की पूनम साहनी सवा फीट ऊंचे लगभग 25 से 30 किलो वजन वाले चांदी के शिवलिंग को घर लाई और उसे साफ किया। घर के बगल में मेला राम मंदिर के निकट प्राचीन शिव मंदिर में श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर रहे आचार्य श्यामजी पांडेय वहां पहुंचे और शिवलिंग को मंदिर में लाए। श्यामजी पांडेय, प्रदीप पांडेय, आनंद पांडेय आचार्यों ने शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया। आचार्य श्यामजी पांडेय की सूचना पर पहुंची पुलिस शिवलिंग को थाने ले आई। दर्शन-पूजन कराने का आश्वासन दिया।सरयू नदी की रेत में मिले चांदी के शिवलिंग ने आस्थावानों में खुशी पैदा कर दी।

सम्पादकीय

जैव विविधता, संस्कृतियां और भाषाएं

जैव विविधता जलवायु विविधता का एक 'उत्पाद' है। पर जैव विविधता भी जलवायु का संरक्षण करती है। विशिष्ट जलवायु में विशिष्ट जैव विविधता पनपती है और वह जैव विविधता जलवायु की विशिष्टता को संतुलन देती है। सारी सृष्टि प्रकाश के चमत्कारी सृजन की कथा है। इस कथा का श्रीगणेश प्रकाश संश्लेषण से होता है, और पेड़-पौधों से लाखों जीवों में प्रवाहित होकर इसका पटाक्षेप मानव प्रजाति के रूप में होता है। सृष्टि की सारी जैव विविधता प्रकाश के चमत्कारों की अंतहीन कहानी है। भौगोलिक क्षेत्रों, पारिस्थितिक तंत्रों, जीव प्रजातियों और आनुवांशिक गुणों के असंख्य रूपों के साथ हमारी पृथ्वी पर जीवन खिला है। और नैसर्गिक विकास यात्रा के चरमोत्कर्ष पर मानव प्रजाति का अभ्युदय अपनी सुरभि फैलाती जैव विविधता का सबसे अद्भुत पहलू है। लाखों जीव प्रजातियों की विविधता के बीच मानव एक पृथक जीव है, लेकिन हर स्तर पर विविधताओं से सराबोर। कितनी ही सांस्कृतिक विविधताओं के साथ खिलती है पृथ्वी पर मानवता! पृथ्वी पर जितनी भौगोलिक विविधताएं, उतनी ही सांस्कृतिक विविधताएं। सांस्कृतिक विविधता जैव विविधता की अभिव्यक्ति है। जैसे-जैसे जैव विविधता भौगोलिकता के अनुसार अपने आयाम, रूप-रंग और लय बदलती है, उसी प्रकार मानव संस्कृतियां भी। मिट्टी-पानी-जलवायु से भौगोलिक और पारिस्थितिक विविधताएं बनती हैं और उसी तरह हमारी संस्कृतियां भी। मानव संस्कृति का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है एक विशिष्ट भाषा। भाषा वह विशिष्टता है जो मनुष्य को सभी जानवरों से भिन्न बनाती है। सभी जानवरों से उत्पन्न तरह तरह की ध्वनियों से उनकी प्रजातियों की पहचान होती है, लेकिन एक प्रजाति के जानवर की ध्वनि की 'लय' एक ही प्रकार की होती है। इसके विपरीत मनुष्य के कंठ और जिह्वा के तालमेल से उत्पन्न ध्वनियां तरह-तरह की भाषाओँ को जन्म देती है। नैसर्गिक विकास का मानव प्रजाति के लिए जो उत्कृष्टम उपादान है, वह है भाषा। पृथ्वी पर संपूर्ण मानवता विविधतापूर्ण भाषाओं से स्पंदित है। इन भाषाओं की विविधता सांस्कृतिक विविधता और फलस्वरूप जैव विविधता के अनुरूप होती है। जितनी घनी जैव विविधता, उतनी ही अधिक भाषाएं। भौगोलिक जैव विविधता और भाषाओं के अंतर्संबंध सहज, स्वाभाविक, नैसर्गिक और अटूट हैं। जैव विविधता जलवायु विविधता का एक 'उत्पाद' है। पर जैव विविधता भी जलवायु का संरक्षण करती है। विशिष्ट जलवायु में विशिष्ट जैव विविधता पनपती है और वह जैव विविधता जलवायु की विशिष्टता को संतुलन देती है। मानव भाषा भी जैव विविधता और जलवायु विशिष्टता से जुड़ी प्राकृतिक विकास की एक अद्भुत रचना है। चूंकि जैव विविधता स्वयं प्रकाश की एक रचना है, इसलिए भाषा भी प्रकाश का ही एक अनूठा सृजन है। भाषायी विविधता, वास्तव में, प्रकाश के महान आश्चर्यों में से एक है। मानव संस्कृतियों की विविधतता एक कौतूहल पैदा करती है। भाषा एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में बदलती रहती है। भारत में एक कहावत है कि हर आठ कोस पर भाषा बदल जाती है। किसी क्षेत्र में जितनी अधिक विविधता होगी, भाषाओं, बोलियों और उच्चारणों की संख्या उतनी ही अधिक होगी। किसी क्षेत्र की दुर्गमता जितनी अधिक होगी (जिसके परिणामस्वरूप प्रायः जैव विविधता में बढ़ोतरी होती है), उसकी भाषायी विविधता भी उतनी अधिक होगी। उदाहरण के लिए, संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र में, अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक, विविध संस्कृतियों में बोली जाने वाली लगभग 30,000 भाषाएं हैं, जैसा कि काठमांडू स्थित अंतरराष्ट्रीय समन्वित पर्वतीय विकास केंद्र के एक अध्ययन में पाया गया है। संसार में लाखों भाषाएं, बोलियां और स्थानीय उच्चारण हैं, जो स्वयं में विविधतापूर्ण संस्कृतियों और उन्हें जन्म देने और पालने वाली जैव विविधता की गौरव गाथाएं हैं। इन भाषाओं में बसी है पृथ्वी की विविधतापूर्ण मिट्टियों की सुरभि, पानी और हवा की तृप्तिदायक शीतलता तथा स्थानीय खाद्य पदार्थों के रसमयी स्वाद। एक और विभिनन्ता मनुष्य प्रजाति के स्तर पर है, जो किसी अन्य जंतु में नहीं। एक ही भाषा समूह से संबंधित प्रत्येक व्यक्ति की पहचान उसके अपने विशिष्ट स्वर से की जा सकती है। प्रत्येक मनुष्य स्वयं को भाषा की एक निजी-सी टोन के साथ प्रस्तुत करता है, जो उसी भाषा बोलने वाले अन्य व्यक्ति की टोन से अलग होती है। इसमें आनुवांशिकता भी आड़े नहीं आती। सगे भाइयों और सगी बहनों की भाषायी टोन भी अलग-अलग होगी और यही भिन्न-वाणी उनकी व्यक्तिगत पहचान होती है। इस तरह, विश्व में अरबों विविध स्वर गूंजते हैं। कुछ स्वर इतने मधुर और सीधे आत्मा से जुड़ जाने वाले होते हैं कि उनकी अनुगूंज सदियों तक बनी रहती है। इतिहास साक्षी है कि जो सभ्यताएं जैव विविधताओं से कटकर रहीं, उसकी संस्कृति दूषित हो गई और उसने अपनी मौलिक भाषा में मिलावट कर दी। भारत जैव विविधता के वैभव वाला देश है। भारत के पश्चिमी घाट और पूर्वी हिमालय विश्व के चुनिंदा बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट हैं। वैसे जैव विविधता से सराबोर वनों के विनाश के साथ भारतीय मौलिक संस्कृति में, जो अरण्य संस्कृति रही है, बहुत ह्रास हुआ है, फिर भी उसकी गौरव गाथाएं संपूर्ण मानवता को गौरवान्वित करती हैं। दुनिया के अधिकांश देशों में एक-एक भाषा बची रह गई है, भारत जीवंत भाषाओं से खिला देश है। भारत की भाषिक विविधता भाषाओं से सिकुड़ते संसार के लिए उदाहरणीय है।

राष्ट्रपति चुनाव: शिवसेना का समर्थन और राजनीतिक गोलबंदी, आखिर इस समीकरण के अर्थ क्या हैं

शिवसेना इन दिनों गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। ऐसे में उद्धव ठाकरे ने द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने का फैसला क्यों किया है, इसकी वजह भी साफ है। मौजूदा संकट से पैदा हुई राजनीतिक मजबूरियों के कारण ही शिवसेना प्रमुख ने यह निणर्य लिया है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फ़ैसला किया है, लेकिन कांग्रेस ने शिवसेना के इस फैसले पर निराशा व्यक्त की और कहा, ठशिवसेना का यह निणर्य समझ से परे लग रहा है।ठ सचमुच कहा जाए तो कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया ही समझ से परे लग रही है। हालांकि यह कांग्रेस के अब तक के इतिहास के बिल्कुल अनुरूप ही है शिवसेना इन दिनों गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। ऐसे में उद्धव ठाकरे ने आखिरकार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने का फैसला क्यों किया है, तो इसकी वजह भी साफ है। मौजूदा संकट से पैदा हुई राजनीतिक मजबूरियों के कारण ही शिवसेना प्रमुख ने द्रौपदी मुर्मू को समर्थन दिया है। लिहाज़ा, कांग्रेस द्वारा इस तरह का निष्कर्ष निकालना भले ही आसान लग रहा हो, लेकिन जब मोदी, भाजपा सरकार के विरुद्ध राजनीतिक एकता समय की जरूरत है, तो कांग्रेस खुद इसके लिए तैयार नहीं है, और उसकी इस प्रतिक्रिया से एक बार फिर यह बात स्पष्ट हो गई है।पिछले आठ वर्षों से कांग्रेस और विपक्ष की हर कोशिश को नाकाम करते हुए केंद्र में मोदी और बीजेपी का राज कायम है। इस सरकार के विरुद्ध आवाज़ उठाने में विपक्षी पाटिर्यों को हमेशा विफलता ही हाथ लगी है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को भाजपा सरकार ने एक झटके में खत्म ही नहीं किया बल्कि इस सीमावर्ती राज्य को दो-दो केंद्र शासित भागों में बांट दिया। अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया। कांग्रेस या किसी अन्य विपक्षी दल में इस मुद्दे को उठाने की हिम्मत नहीं थी, तो यह बात समझ में आती है। लेकिन यह मुख्य विपक्षी दल सीएए, एनआरसी के मुद्दे पर भी विपक्ष को एकजुट करने में कामयाब नहीं हुआ, कहना होगा कि उस आंदोलन की शुरुआत युवाओं ने की थी। अल्पसंख्यक समुदाय की प्रतिक्रियाएं बेहद संयमित थीं। उस आंदोलन के प्रभाव के कारण केंद्र सरकार को दो कदम पीछे हटना पड़ा। पंजाब और उत्तर प्रदेश में किसानों के मुद्दे पर हुए विद्रोह ने पूरे देश में एक नए अवसर का मार्ग खोल दिया था। साल भर किसान दिल्ली बॉर्डर पर डटे रहे, लेकिन विपक्ष के घटक दल अपनी पिछली भूमिकाओं के कारण फिर से गोलबंदी नहीं कर सके। पंजाब और उत्तर प्रदेश चुनाव नज़दीक आते ही प्रधानमंत्री मोदी खुद पीछे हट गए, किसान विरोधी कानून वापस ले लिया। इंदिरा गांधी के बाद सबसे शक्तिशाली नेता का यूं पीछे हटना भी एक बड़ा अवसर साबित हुआ। इस कारण उत्तर प्रदेश में विरोधी पक्ष उपचुनाव हार गए। पंजाब में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद उसे हार का सामना करना पड़ा। भाजपा ने आम आदमी पार्टी के लिए सत्ता का दरवाजा खोल दिया। दलितों पर अत्याचार और अल्पसंख्यकों की मॉब लिंचिंग के मामलों से भाजपा और संघ परिवार बड़ी सफाई से खुद को अलग करने में कामयाब हो गई। बिहार के बेलची गांव में दलित हत्याकांड के बाद इंदिरा गांधी हाथी पर सवार होकर वहां पहुंची थीं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के हाथरस गांव गए ज़रूर, लेकिन उत्तर प्रदेश में राजनीतिक परिदृश्य से पहले ही गायब हो चुकी कांग्रेस पर दलितों का विश्वास खत्म हो चुका था। अब मुस्लिम समुदाय के खिसकते जनाधार को कांग्रेस बचा पाएगी, इस बात का भी भरोसा नहीं रहा। किसान आंदोलन में भी किसानों को कांग्रेस से कोई उम्मीद नहीं थी। पिछले दस वर्षों के कांग्रेस के शासन का आर्थिक एजेंडा बहुत अलग नहीं था।इसमें राहुल गांधी का कोई दोष नहीं है। मनमोहन सिंह के शासन के दौरान राहुल गांधी को सत्ता से बाहर रखने वाले जी 23 गुट ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। एक बार फिर से पूरा समूह राहुल गांधी के नेतृत्व को दोष देने के लिए एक पांव पर खड़ा है। इंदिरा गांधी के दौर की गोलबंदी इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया आपातकाल और उसके खिलाफ जनता पार्टी का विद्रोह उस समय विपक्षी दलों की एक प्रकार की गोलबंदी ही थी, लेकिन वह गोलबंदी केवल इंदिरा हटाओ के नारे से नहीं आई थी। इंदिरा गांधी ने 1971 में जब पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित करके बांग्लादेश का निर्माण किया था, तब उनकी लोकप्रियता चरम पर थी। जिस इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा जाता था, उनकी तुलना अटल बिहारी वाजपेयी ने मां दुर्गा से की, लेकिन उसके बाद सिर्फ 7 सालों में देश का पूरा माहौल ही बदल गया। बिहार और गुजरात में भ्रष्टाचार विरोधी नारों ने एक युवा आंदोलन को जन्म दिया। जयप्रकाश जी के नेतृत्व में देश के तमाम विरोधी दल जनसंघ के साथ जुड़ गए। इस तरह अंततः जनता पार्टी का जन्म हुआ। 18 महीने के आपातकाल के बाद, भारतीयों ने विद्रोह कर दिया था। इसकी शुरुआत भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से हुई। जयप्रकाश जी ने संपूर्ण क्रांति का नारा देकर उस विद्रोह की परिणीति सत्ता परिवर्तन में कर दी। इसे लोकतंत्र को बचाने के लिए दूसरे स्वतंत्रता संग्राम के रूप में वर्णित किया गया। वामपंथी समाजवादियों, जनसंघ और कुछ क्षेत्रीय ताकतें भी एकजुट होकर कांग्रेस के खिलाफ हो गई थीं। जनता पार्टी विभाजित हो गई, लेकिन कांग्रेस विरोध के उसी मुद्दे के आधार पर भाजपा देशभर में शक्तिशाली पार्टी बन गई। बिखर चुकी जनता पार्टी और अन्य क्षेत्रीय दलों के क्षेत्रीय नेतृत्व को ठेंगा दिखाते हुए भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ हिंदुत्व का कार्ड खेल दिया। आपातकाल ने लोकतंत्र का गला ही घोंट दिया था। लेकिन आजकल आपातकाल की स्थिति घोषित किए बिना ही लोकतंत्र के सभी स्तंभ ढह गए हैं। अब तीन प्रमुख चुनौतियां हैं- भारतीय संविधान द्वारा अपेक्षित संघराज्य, धर्मनिरपेक्षता का अर्थ और लोकतंत्र का निर्माण। इन तीनों को जबरदस्त चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों में जबरदस्त अशांति है। बेरोजगारी के मुद्दे पर भारी असंतोष है। अगिन्पथ पर अगिन्वीरों द्वारा दी गई प्रतिक्रिया की आग अभी बुझ नहीं पाई है। संकट से घिरे किसान और बढ़ती महंगाई। इन तमाम मुद्दों के बावजूद कांग्रेस के नेतृत्व वाले विरोधी दल की पूरी लड़ाई व्यक्तिगत रूप से नरेंद्र मोदी के खिलाफ ही केंद्रित रही है। भले ही मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं, भले ही उनके नेतृत्व में भाजपा की सरकार है, लेकिन मोदी और ये मुद्दे दो अलग-अलग बातें हैं। मोदी की लोकप्रियता में अशांति और असंतोष को पचाने की ताकत है। मोदी का हर कदम आए, तो विपक्षी दलों ने उस मौके का फायदा नहीं उठाया। थोड़ा भी इंतजार नहीं किया। अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में वित्त मंत्री रहे भाजपा के पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा को राष्ट्रपति का उम्मीदवार घोषित कर दिया। यदि यशवंत सिन्हा विपक्ष की राजनीति के प्रतीक हैं तो विपक्ष के पास भाजपा से अलग विकल्प क्या है नड्डा ने कहा- हमें द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा करनी पड़ रही है, क्योंकि विपक्षी दल सहमत नहीं थे। द्रौपदी मुर्मू पूर्वी भारत की रहने वाली हैं। महिला हैं और आदिवासी हैं। भाजपा और जनता पार्टी, जनता दल के अल्पकालिक शासन को छोड़कर, देश में लंबे समय तक कांग्रेस की सरकार थी। आदिवासियों ने हमेशा बढ़-चढ़कर कांग्रेस को वोट दिया, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी आदिवासियों को सत्ता के सवीच्च शिखर पर स्थान नहीं दिया। यशवंत सिन्हा का यह बयान कि 'मेरा कार्य द्रौपदी मुर्मू से अधिक है' चौंकाने वाला है। मनुस्मृति के खिलाफ डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विद्रोह पर अब सहमति जताने वाली कांग्रेस और अन्य वामपंथी दलों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अब मनुस्मृति की भाषा बोल रहे हैं, ये बेहद चौंकाने वाली बात है। डॉ. राधाकृष्णन और द्रौपदी मुर्मू नड्डा ने द्रौपदी मुर्मू की तुलना डॉ. राधाकृष्णन से की। यह तुलना कुछ लोगों को शायद स्वीकार्य नहीं होगी। लेकिन अगर राधाकृष्णन राष्ट्रपति बन सकते हैं, तो द्रौपदी मुर्मू क्यों नहीं बन सकतीं? यह एक साधारण सा प्रश्न है। संघ परिवार चाहे 'वनवासी' की भाषा बोलता हो, लेकिन नड्डा ने द्रौपदी मुर्मू आदिवासी हैं, ट्राइबल हैं, इन शब्दों का उल्लेख किया। भाजपा नेता अपनी परिभाषा बदल रहे हैत् यशवंत सिन्हा की भाषा दर्शाती है की अब तक सोच बदली नहीं है मुर्मू के नाम की घोषणा के बाद जितनी तत्परता से नीतीश कुमार और नवीन पटनायक ने अपना समर्थन दिया, उतनी तत्परता तो छोड़िए, बाद में भी विपक्षी दल पुनर्विचार के लिए तैयार नहीं हुए। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को भारत रत्न देने के लिए जनता दल सरकार को आना पड़ा। जयपाल सिंह मुंडा को भारत रत्न तो दूर की बात है, उन्हें पद्म भूषण पुरस्कार भी नहीं मिला। यह बात आज भी प्रबुद्ध आदिवासी वर्ग के दिलों में ज़ख्म बनकर टीस रही है हॉकी के स्वर्ण युग के दौरान जयपाल मुंडा ने तीन बार भारतीय टीम का नेतृत्व किया। वे संविधान सभा के सदस्य थे। बाद में वे लोकसभा में भी आदिवासियों की प्रखर आवाज बने रहे। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के इस महान विद्वान के योगदान को हम आज तक पहचान नहीं दे पाए हैं और शिवसेना द्वारा द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने पर कांग्रेस के नेता 'यह समझ से परे है' ये प्रतिक्रिया देते हैं। नीतीश कुमार और नवीन पटनायक अपने राज्य में किसी भी हाल में सामाजिक सौहार्द को बिगड़ने नहीं देते। धर्मनिरपेक्षता के मुद्दे पर किसी तरह का समझौता नहीं करते। नीतीश कुमार भाजपा के साथ होते हुए भी सीएए, एनआरसी के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव रखते हैं। हिंदू-मुस्लिम का शोर मचाने वाली राजनीति को राज्य की सीमाओं से बाहर रखते हैं। सर्वसम्मति राजनीति के माध्यम से ओबीसी जनगणना की प्रक्रिया शुरू करते हैं।

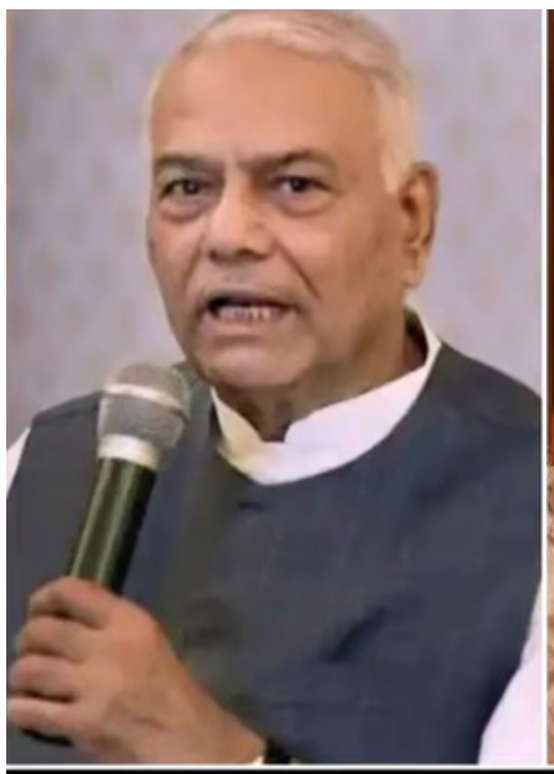

लोकतंत्र कैसे जीवित रहते हैं', ब्रिटेन के सियासी हालात पर रामचंद्र गुहा का आलेख

चुनावों में मिली सफलता ने बोरिस जॉनसन को उनकी अपनी ही पार्टी में प्रभुत्व की स्थिति में पहुंचा दिया था। पहली बार जीतकर आए टोरी सांसदों के बीच बोजो एक पंथ बन गए और इसने नेता को आलोचनाओं से ऊपर कर दिया। वर्ष 2018 में हार्वर्ड के दो प्राध्यापकों ने एक किताब प्रकाशित करवाई जिसका नाम था, हाउ डेमोक्रेसीज डाई। अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर डोनाल्ड ट्रंप के आश्चर्यजनक आरोहण से प्रेरित होकर, पुस्तक ने तर्क दिया कि पुराने, स्थापित लोकतंत्रों को भी अपनी राजनीतिक व्यवस्था की निरंतरता को हल्के में नहीं लेना चाहिए। मतदाताओं की बुनियादी प्रवृत्तियों को भड़काने का कृत्य और संस्थानों की स्वतंत्रता के प्रति मामूली अवहेलना भी लोकतांत्रिक कामकाज को जल्दी कमजोर कर सकती है। ब्रिटेन के हाल के घटनाक्रम से इस किताब के सीक्वल का खयाल आया, संभवतः जिसका नाम हाउ डेमोक्रेसीज सर्वाइव हो सकता है। इसके लिए हमें ब्रिटेन के हाल के घटनाक्रम को मुख्य केस की तरह लेना होगा, जहां आम चुनाव में अपनी कंजरवेटिव पार्टी को शानदार जीत दिलाने के महज ढाई साल बाद प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को इस्तीफा देना पड़ा। ब्रिटेन के आम चुनावों में दो या उससे अधिक पाटिर्यां एक दूसरे के खिलाफ मैदान में होती हैं। शायद ही कभी यह राष्ट्रपति चुनाव जैसे होते हैं। फिर भी, दिसंबर, 2019 का चुनाव कंजरवेटिव पार्टी ने बोरिस जॉनसन के करिश्मे और उनकी लोकप्रियता के आधार पर जीता था। वह एक मजाकिया वक्ता हैं, जिनके उलझे हुए बाल और बेपरवाह पहनावे ने उन्हें आम ब्रिटिश मतदाताओं का प्रिय बना दिया। उनकी पार्टी को 1987 के बाद सर्वाधिक सीटें मिलीं और उसने 1979 के बाद सर्वाधिक मत प्रतिशत हासिल किया। मुख्य विपक्षी दल लेबर पार्टी सिर्फ 202 सीटें ही जीत सकी और 1935 के बाद यह उसकी सबसे कम सीटें थीं। चुनावों में मिली सफलता ने बोरिस जॉनसन को उनकी अपनी ही पार्टी में प्रभुत्व की स्थिति में पहुंचा दिया था। पहली बार जीतकर आए टोरी सांसदों के बीच बोजो एक पंथ बन गए और इसने नेता को आलोचनाओं से ऊपर कर दिया। जॉनसन स्पष्ट रूप से ट्रंप की सफलता से प्रभावित थे और उनकी राजनीति कुछ हद तक भड़काने वाले अमेरिकी नेता से प्रेरित थी। उन्होंने जनता से सीधे अपील करने के लिए पार्टी की मशीनरी की अवहेलना की। उन्होंने सलाह के लिए अपने मंत्रियों के बजाय कुछ चुनींदा गैरनिर्वाचित सलाहकारों पर भरोसा किया। उन्होंने भव्यता से ब्रिटेन को फिर से महान बनाने की बात की। 2019 के चुनावों में जब उन्होंने अपनी पार्टी को जीत दिलाई, तब बोरिस जॉनसन पचपन वर्ष के थे। तुलनात्मक रूप से देखें, तो वह नरेंद्र मोदी के भारत का प्रधानमंत्री बनने के समय उनकी जो उम्र थी, उससे आठ साल छोटे थे और डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के समय उनकी जो उम्र थी, उससे पंद्रह वर्ष छोटे थे। दिसंबर 2019 में, जॉनसन शायद दो, यहां तक कि तीन, कार्यकाल का आनंद लेने के बारे में सोच रहे होंगे। वह युवा थे और उनकी पार्टी और मतदाता उनके नियंत्रण में थे। और मुख्य विपक्षी दल लेबर पार्टी अस्त-व्यस्त हो चुकी थी। इसके बावजूद बोरिस जॉनसन को अपने आधे कार्यकाल के बाद ही प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, वह भी बदनामी के कारण। यह कैसे हुआ? ऐसा इसलिए है, क्योंकि ब्रिटिश लोकतंत्र के अब भी काम कर रहे संस्थानों द्वारा उन्हें उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया गया था। मसलन प्रेस। राजनीति में आने से पहले जॉनसन– ट्रंप के उलट नहीं–सच छिपाने के लिए जाने जाते थे। वह जब लंदन के मेयर थे या जब विदेश मंत्री थे, तब उनकी बहकाने वाली प्रवृत्ति खास मायने नहीं रखती थी, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में वह स्वतंत्र मीडिया की कठोर निगरानी से नहीं बच सकते थे और उसने उन्हें कठघरे में खड़ा भी किया। इसीलिए जब प्रधानमंत्री ने जनता के लिए अपने ही द्वारा घोषित लॉकडाउन के दौरान अपने स्टाफ के साथ पार्टी की, तब उनके इस अतिक्रमण पर अखबारों और टेलीविजन ने व्यापक रूप से रिपोर्ट की थी। कुछ कम अच्छी तरह से काम करने वाले लोकतंत्रों (जैसे हमारे लोकतंत्र) में प्रधानमंत्री के झूठ और धोखे की अखबारों, रेडियो और टेलीविजन द्वारा इतनी बारीकी से जांच नहीं की गई होगी। ब्रिटेन में जहां कुछ अखबार लेबर पार्टी की ओर झुकाव वाले और कुछ टोरी की ओर झुकाव वाले हैं, लेकिन सौभाग्य से उस देश में सत्तारूढ़ राजनेताओं से निर्देश लेने वाला कोई 'गोदी मीडिया' नहीं है। मुद्दे बड़े हों या छोटे, ब्रिटिश संसद में उन पर वास्तविक बहसें होती हैं। यह हमारी संसद से उलट है, जहां महत्वपूर्ण विधेयकों को कुछ मिनटों में ही पारित किया गया है और जहां कभी भी प्रधानमंत्री से विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का सीधा जवाब देने के लिए नहीं कहा जाता। दूसरी ओर, ब्रिटेन में प्रधानमंत्री से सवाल पूछने की परंपरा की वजह से लेबर नेता केर स्टार्मर ने बोरिस जॉनसन से लगातार सवाल किए, जिन्हें अपना बचाव का मौका भी दिया गया, हालांकि उनके जवाब न तो संतोषजनक थे और न ही आश्वस्त करने लायक थे। लगातार दो चुनावी हार का नेतृत्व करने के बाद लेबर पार्टी का कॉर्बिन से छुटकारा पाना, और खुद को एक बार फिर प्रतिस्पर्धी बनाने की उसकी इच्छा, भारत में मुख्य विपक्षी दल की अपने हकदार और अक्षम 'प्रथम परिवार' से छुटकारा पाने की असमर्थता के उलट है। वोट हासिल करने वाले नेता के रूप में राहुल गांधी सिद्ध रूप से विफल हैं (यहां तक कि वह अपनी पारिवारिक सीट से भी दोबारा नहीं जीत सके) और फिर भी ऐसा लगता है कि जैसे ही उनकी मां और करीब तीन साल से पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष फैसला लेंगी, वह कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर काबिज हो सकते हैं। लेबर ने शायद देर से ही स्वीकार किया कि नेता के रूप में जेरेमी कॉर्बिन के होने से केवल रूढ़िवादियों को लाभ हुआ, वहीं कांग्रेस स्पष्ट रूप से यह कभी नहीं स्वीकार करेगी कि राहुल गांधी नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के लिए उसका सबसे बड़ा उपहार हैं। (इस लेख को लिखे जाते समय यह खबर आई है कि राहुल गांधी फिर छुट्टियां मनाने यूरोप गए हैं, यह सबूत है कि वह भाजपा के सबसे विश्वसनीय राजनीतिक सहयोगी हैं) ब्रिटेन में प्रेस में आए प्रधानमंत्री के कदाचार के खुलासे के बाद जब संसद में बहस हुई, तब बोरिस जॉनसन को आधिकारिक जांच करवानी पड़ी। ब्रिटिश पुलिस और सिविल सेवा ने यह जांच अनुकरणीय दक्षता से की और सत्तारूढ़ राजनेताओं के कुकर्मों को दर्ज करने से पीछे नहीं हटे। एक बार फिर, भारत से इसकी तुलना सोचने को मजबूर करती है। मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण विधेयकों को संसदीय समिति को नहीं भेजा, शासन में खामियों की आधिकारिक जांच की तो बात ही छोड़ दीजिए। अगर उन्होंने ऐसा किया भी, तो मोदी के नेतृत्व में भारतीय सिविल सेवा इतनी डरपोक और जोखिम-रहित है कि कभी भी ऐसी कोई बात दर्ज नहीं की जा सकती, जो प्रधानमंत्री को खराब रोशनी में दिखाए। इस जांच और संसद में चल रही बहस के बीच बोरिस जॉनसन ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दरकिनार करने के लिए खुद को ऐसे अंतरराष्ट्रीय राजनेता के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की, जो दुनिया में ब्रिटेन की छवि चमका रहा है। उन्होंने यूक्रेन पर रूसी हमले की आड़ लेकर कीव की यात्राएं कीं, ताकि दावा कर सकें कि वह उत्पीड़ित लोगों के साथ हैं। वह एक व्यापार सौदे के सिलसिले में भारत भी आए, जिसे उस व्यक्ति के साथ अंजाम देना था, जिन्होंने कहा कि वह जॉनसन को अपना खास दोस्त मानते हैं। बोरिस जॉनसन ने कंजरवेटिव पार्टी के इर्द-गिर्द उसी तरह से अपने छवि निर्माण की कोशिश की, जैसे ट्रंप और रिपब्लिकन तथा मोदी और भाजपा हैं। लेकिन उनके उलट वह नाकाम हो गए। कुछ हद तक ऐसा इसलिए है, क्योंकि संशयी ब्रिटिश नायक पूजा नहीं करते, यहां तक कि उन्होंने दूसरे विश्वयुद्ध के बाद विंस्टन चर्चिल तक को खारिज कर दिया था। व्यापक रूप से इसलिए भी, क्योंकि कंजरवेटिव पार्टी के सांसद यह बताना चाहते थे कि जॉनसन उनकी पार्टी के नेता या प्रधानमंत्री के रूप में अक्षम हैं। एक बार फिर, भारत के साथ यह एकदम उलटा है। भाजपा के 300 से अधिक सांसदों में से किसी एक में भी यह साहस या स्वतंत्रता है कि वह पार्टी की बैठक में प्रधानमंत्री की यहां तक कि नोटबंदी और कोविड के पहले लॉकडाउन जैसी घातक नीतियों को लेकर हल्की-सी भी आलोचना कर सके? बोरिस जॉनसन का पतन ब्रिटिश लोकतंत्र की संस्थाओं के प्रति आभार जताने जैसा है।

खन्न विभाग की समीक्षा के उपरांत मुख्यमंत्री जी के दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सतत प्रयासों से प्रदेश में खनन संबंधी कार्यों में पारदर्शिता आई है। आमजन हों या पट्टाधारक अथवा ट्रांसपोर्टर, सभी की सुविधा का ध्यान रखते हुए अनेक अभिनव प्रयास किए गए हैं। खनन कार्य से जुड़े सभी हितधारकों के लिए पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित हो। यह सुनिश्चित करें कि खनिजों/उप खनिजों के मूल्य नियंत्रण में रहें। लगातार प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2022-23 में गत वर्ष की तुलना में माह जून तक 168 करोड़ अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई है। यह प्रगति संतोषजनक है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए खनन कार्यों से ?4,860 करोड़ राजस्व संग्रह का लक्ष्य है। तदनुरूप आवश्यक प्रयास किए जाएं। इंटीग्रेटेड माइनिंग सर्विलांस के माध्यम से खनन क्षेत्रों की जियो फेंसिंग, खनिज परिवहन करने वालों वाहनों पर माइन टैग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चेक गेट की व्यवस्था खनन कार्यों को और पारदर्शी बनाने वाली है। बेहतर खनिज प्रबन्धन के माध्यम से राजस्व संग्रह में वृद्धि हुई है। यह प्रयास आगे भी जारी रहना चाहिए। बालू, मोरम, गिट्टी जैसे उपखनिजों का आम आदमी से सीधा जुड़ाव है। इनकी कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी न हो। विभिनन विकास परियोजनाएं भी इससे प्रभावित होती हैं। ऐसे में उपखनिजों का कृत्रिम अभाव पैदा करने वाले कालाबाजारियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए। फॉस्फोराइट, पोटाश, स्वर्ण धातु अयस्क, प्लेटिनम समूह के अयस्क, लौह अयस्क, एंडालूसाइट और सिलिमाइट जैसे उर्वरक खनिज, बहुमूल्य धातुओं, लौह धातु और रिफ्रैक्टरी खनिजों के सम्बंध में निविदा की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी कर ली जाए। नदी तल स्थित बालू/मोरम आदि के खनन क्षेत्रों की सस्टेनिबिलिटी के लिए तकनीकी संस्थाओं से री-प्लेनिशमेन्ट स्टडी कराई जाए। इस कार्य के लिए भारत सरकार के उपक्रम जैसी प्रतिष्ठित संस्था का सहयोग लें। स्टडी रिपोर्ट के आधार पर ही भावी कायर्योजना तैयार की जाए। नदियों में बालू/मोरम की पुनर्पूर्ती कम होने के दृष्टिगत बड़े जलाशयों, बांधों की ड्रेजिंग कराने से प्रचुर मात्रा में बालू/मोरम उपलब्ध हो सकेगी। इस संबंध में समयबद्ध रूप से कार्यवाही की जानी चाहिए। बालू/मोरम के विकल्प के रूप में पत्थरों के क्रशिंग से उत्पनन कृत्रिम बालू को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। हाल ही में प्रारंभ 'माइन मित्र' पोर्टल पर पट्टाधारकों एवं ट्रांसपोर्टरों को भी लॉगिंग- आईडी देकर खनिज व्यवस्था में स्टेक होल्डर बनाया जा रहा है। इससे न केवल सभी को सुविधा होगी, वरन, व्यवस्था में पार दर्शिता भी बढ़ेगी। माइन मित्र पोर्टल पर खनन विभाग की विभिनन सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध हैं। किसी को अपनी निजी भूमि से मिट्टी निकालनी हो, खरीदी गई मिट्टी का परिवहन करना हो, खनिज कार्यों के लिए लीज, परमिट, रजिस्ट्रेशन आदि को इस प्लेटफार्म से जोड़ा जाना लोगों को काफी सहूलियत देने वाला सिद्ध हो रहा है। बालू/मोरम के खनन पट्टों में ऑनलाइन अग्रिम मासिक किश्त के स्थान पर व्यवस्था लागू करते हुए महीने के अंत तक पूरी किश्त जमा करने का समय दिया जाना चाहिये। इससे पट्टाधारकों को बड़ी सहूलियत होगी। खनन कार्यों के संबंध में अंतरराज्यीय परिवहन हेतु विनियमन शुल्क के दर में वृद्धि पर विचार किया जाना चाहिए। रॉयल्टी दर जो कि वर्तमान में 2016 से प्रभावी है, को पुनरीक्षित करने पर विचार करें। इस सम्बंध में सभी स्टेकहोल्डर्स की राय भी ली जानी चाहिए। किसी भी दशा में ओवरलोडिंग न हो। यह नियमविरुद्ध भी है और दुर्घटनाओं का कारक भी बनता है। इस दिशा में सख्ती की जानी चाहिए।

मैहर सड़क दुर्घटना में नायब तहसीलदार गणेश देश बेहताव की दर्दनाक मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। सडक दुर्घटना मे नायब तहसीलदार गणेश देश बेहताव की मृत्यु की सूचना पाते ही कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता सीईओ जिला पंचायत डा परीक्षित राव और बरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी रात्रि मे ही 3बजे पहुंचे मैहर सिविलअस्पताल। घटना पर व्यक्त किया गहरा दुख व्यक्त। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतिम चरण मे मैहर विकास खंड के सभागंज सेक्टर मे विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी मे तैनात थे नायब तहसीलदार श्री देश बेहताव।सभागंज की अंतिम पोलिंग पार्टी को रवाना कर मैहर जनपद मुख्यालय लौट रहे थे नायब तहसीलदार।मैहर के समीप कटनी बायपास पर हुआ हादसा।

संक्षिप्त समाचार

कांवड यात्रा मार्ग पर नहीं होगी शराब और मीट की बिक्री जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। कावड़ यात्रा मार्ग पर नहीं होगी शराब और मीट की बिक्री। डीएम ने खाद्य विभाग अधिकारियों से कहा है कि कावड़ यात्रा के दौरान कोई भी मिलावटी और अशुद्ध खाद सामग्री की बिक्री न हो। इसके अलावा जांच के नाम पर विक्रेताओं का उत्पीड़न मना करें अधिकारी। मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रहे। सड़क पर कहीं पानी ना भरे गड्ढे न हो साफ सफाई रहे। सड़क पर रोशनी का भी पर्याप्त व्यवस्था रहे। जिससे यहां से गुजरने वाले किसी भी कांवरियों को परेशानी न हो।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आज संयुक्त जिला चिकित्सालय सेक्टर 30 नोएडा में मनाया गया कन्या जन्मोत्सव

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर ठबेटी बचाओ बेटी पढाओं योजना के अंतर्गत आज संयुक्त जिला चिकित्सालय सेक्टर 30 नोएडा गौतमबुद्धनगर में जन्मी बालिकाओं के गुल 11

अभिभावकों को बेबी किट भेंट कर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया और अभिभावकों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि उपस्थित लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के बारे में जानकारी दिये जाने के साथ ही योजना से संबन्धित आवेदन पत्र एवं पम्फलेट वितरित किये गये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 पवन कुमार अरून व जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी, डाटा एनालेसिस निखत परवीन तथा जिला समन्वयक सुनीता आदि उपस्थित रहे।

नोएडा हाट मे हस्तशिल्प प्रदर्शनी का हुआ आगाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-32 स्तिथ नोएडा हाट में 8 जुलाई से 17 जुलाई तक चलने वाले हस्तशिल्प प्रदर्शनी का मुख्य अतिथि के रुप में जिला मंत्री भाजपा

नोएडा चमन अवाना ने उद्घाटन एवं शुभारंभ फीता काट कर किया। इस अवसर पर चमन अवाना ने कहा हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन सराहनीय है। इस तरह के प्रदर्शनी से समाज को एक नया दिशा मिलेगी। साथ स्वरोजगार से जुडे. लोगों को एक मार्केट मिलेगा। केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की ओर से भी इस क्षेत्र में निरंतर काम किया जा रहा है। प्रदर्शनी में 20 प्रकार की दुकानों में हमारे देश की कलात्मक प्रतिभा से जुड़े कारीगरों द्वारा राष्ट्र की सांस्कृतिक प्रतिभा को भी दर्शाया जा रहा है। इस मौके पर उमेश तोमर डायरेक्टर शिल्पी उत्थान हेंडीक्राफ्ट, वरिष्ठ अधिकारी टी एम त्रिपाठी, मनीष चौहान, सोनू राणा, संजय गुर्जर, अवनीश दुबे, लीलू अवाना,विपिन झा, अंकुश चौधरी, रवि कुमार, आदि साथी मौजूद रहे।

बिजली का खुला केवल बना मौत का अड्डा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 जनता फ्लैट मे सड़क पर खुलास केबल पीछे पांच महीने से पडा हुआ हैं। जो हर समय मौत को दावत दे रहा है। इसकी शिकायत सोसायटी के आर डब्लूए अध्यक्ष एन के सोलंकी ने बिजली विभाग के एस डी ओ एवं तमाम उच्चाधिकारियों से कर चुके हैं लेकिन मामला जस का तस बना हुआ है। बरसात के चलते रोड पर चलना मुश्किल हो गया है आए दिन केवल धडाम धडाम फटती रहती है आस पास के ब्लाकों में अंधेरा बना हुआ है। एस डी ओ को कयी बार कहने पर कहते है कि नयी केबल लगेगी और उसका बजट नहीं है। सोसायटी वालो ने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द इसका निदान किया जाये नहीं तो हम लोग बिजली विभाग का घेराव करेंगे।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छेड़ी जंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। केंद्र सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक बैन होने के बाद उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल नोएडा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर्यावरण गतिविधि प्रबंधन नोएडा महानगर के संयुक्त तत्वाधान में सेक्टर- 9 नोएडा मे आज सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया और कपड़े से बने बैग का वितरण किया गया, बैग वितरण में शामिल हुए सभी सदस्यों ने यह शपथ ली कि हम अब सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने की बजाय केवल कपड़ों के बैग का इस्तेमाल करेंगे और अपने सभी जानने वालो साथियों को जागरूक करेंगे। इस जागरूकता अभियान में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के एन सी आर अध्यक्ष सुनील गुप्ता, संरक्षक राधा कृष्ण गर्ग, महासचिव सुधीर चंद पोरवाल, सलाहकार राजीव गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल, मनोज गुप्ता, शक्ति बक्शी, महिपाल सिंह, सत्यवली, राजीव शर्मा, विक्रम सेठी, राहुल भाटिया,दिनेश तिवारी समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

बाइक चुराकर मोबाइल लूटने वाले पांच गिरफ्तार

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-63 पुलिस ने मंगलवार को सी ब्लॉक सब्जी मंडी के पास से एनसीआर में मोबाइल लूटने और वाहन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के पांच बदमाशों गिरफ्तार किया। इनके पास से 15 मोबाइल व चोरी की दो बाइक बरामद की गई हैं। बदमाशों की पहचान शाहदरा दिल्ली निवासी आकाश चौहान, सेक्टर-63 निवासी दिलशाद, साहिबाबाद

निवासी रवि सिसौदिया, सेक्टर-63 निवासी सुशील मिश्रा उर्फ अतुल और सूरज जोशी के रूप में हुई है। आकाश व रवि सिसौदिया ने चार दिन पहले दिल्ली के ज्वाला नगर से पैशन बाइक चोरी की थी। आकाश ने अन्य साथियों के साथ नौ जुलाई को सेक्टर-63 में इसी बाइक से एक युवक से मोबाइल लूटा था। वहीं, दिलशाद व सूरज जोशी ने कुछ दिन पहले गाजियाबाद से बाइक चुराई थी। चोरी की बाइक से आरोपी नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद व आसपास के इलाकों में मोबाइल लूटते थे। इसके बाद मोबाइल को गरीब व मजदूरों सस्ते दाम में बेच देते थे। नोएडा सेंट्रल जोन के एसीपी अब्दुल कादिर का कहना है कि आकाश पर दिल्ली, गाजियाबाद व नोएडा में 20, रवि सिसौदिया पर चार और दिलशाद पर दो मुकदमे दर्ज हैं।नोएडा। जन्मदिन की पार्टी के लिए कैमरामैन को बुलाकर सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास बदमाशों ने चार लाख रुपये का कैमरा लूट लिया। आरोपियों ने जस्ट डायल से नंबर लेकर कैमरामैन से संपर्क किया था। मामले में कोतवाली सेक्टर-113 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। हर्ष विहार, दिल्ली निवासी कैमरामैन दिनेश पाठक ने पुलिस से शिकायत की है कि 10 जुलाई को उनके पास जस्ट डायल के जरिये एक शख्स का फोन आया था। जन्मदिन पार्टी की बुकिंग कर शख्स ने एडवांस में 1500 रुपये फोन पे पर ट्रांसफर किए और सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास बुला लिया। शाम छह बजे बाइक पर दो युवक मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचे और जितेंद्र को साथ चलने के लिए कहा। इसी दौरान बाइक सवार कुछ और युवक आ गए। इसके बाद पिटाई कर कैमरा लूट लिया। जितेंद्र का आरोप है कि जिस नंबर से उन्हें पेटीएम किया गया था वह अब भी चालू है। इसके बावजूद कोतवाली पुलिस मामले का संज्ञान नहीं ले रही है।

बाबा बर्फानी अमरनाथ गुफा के पास फटा बादल 15 लोगो की मौत 60 घायल 3000 लोगो के फसे होने आशंका

(आधुनिक समाचार सेवा)
सतिश केशरी

जम्मू । दक्षिण कश्मीर में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के पास शुक्रवार शाम को बादल फटने से आई आकस्मिक बाढ़ से 15 लोगों की मौत हो गई है. जबकि कई घायल हो गए हैं. 50-60 लोगो के लापता होने की आशंका जताई जा रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 60 लोग लापता हैं. अमरनाथ गुफा के पास और पंचतरणी में दो से तीन हजार लोगों के फंसे होने की सूचना है.हादसे की वजह से अमरनाथ यात्रा निलंबित कर दी गई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यात्रा को बहाल करने का निणन्य बचाव अभियान पूरा हो जाने के बाद ही लिया जाएगा. यात्रा फिलहाल दोनों रास्तों बालटाल और पहलगाम से बंद है. बीते तीन जून को ही अमरनाथ यात्रा शुरू हुई थीभारतीय सेना और प्ठच् के जवान, राहत और बचाव अभियान में जुटे हैं. पुलिस और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मी भी बचाव अभियान में लगे हैं. अमरनाथ गुफा के पास और पंचतरणी में दो से तीन हजार लोगों के फंसे होने की सूचना है.जम्मू कश्मीर प्रशासन ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया. उपराज्यपाल प्रशासन और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने चार टेलीफोन नंबर जारी किए हैं, जिस पर संपर्क कर लोग जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. श्राइन बोर्ड ने ट्वीट किया, अमरनाथ यात्रा के लिए हेल्पलाइन नंबर एनडीआरएफ 011-23438252, 011-23438253, कश्मीर डिविजनल हेल्पलाइन 0194-2496240, श्राइन बोर्ड हेल्पलाइन-0194-2313149. है. जम्मू से यात्रियों को आने दिया जा रहा है, लेकिन बालटाल से आगे यात्रा बंद है. इस बीच जम्मू बेस कैंप से अमरनाथ तीथर्यात्रियों का एक नया जत्था रवाना हुआ. एक यात्री ने बताया, हमें अब यात्रा के लिए आगे जाने दे रहे हैं. सभी तरह की सुविधाएं दी जा रही है. हमें बहुत अच्छा लग रहा है. बाबा सबकी रक्षा करेंगे. जो कल प्राकृतिक आपदा आई उसको लेकर दुख है, लेकिन बाबा बर्फानी सबकी रक्षा करेंगे और दर्शन देंगे.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है. उन्होंने ट्वीट किया, श्री अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने की घटना से दुखी हूं. शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना. राज्यपाल मनोज सिन्हा से बात की और स्थिति की जानकारी ली. राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, शोकसंतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है. बचाव एवं राहत कार्य वहां फंसे लोगों की मदद के लिए पूरी गति से चल रहा है.वही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय बलों और जम्मू कश्मीर प्रशासन को निर्देश दिया कि अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने से प्रभावित लोगों को बचाने का कार्य तेजी से किया जाए. शाह ने ट्वीट कर कहा कि उन्होंने जम्मू कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा से बात कर के स्थिति का जायजा लिया.जम्मू कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि वह स्थिति पर नजर रखे हैं और उन्होंने सभी संबंधित विभागों को तीथर्यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

बचपन बचाओ सेवा समिति ने सेक्टर 71 के विवेकानंद पार्क में किया पौधारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। बचपन बचाओ सेवा समिति ने लोगों को प्रेरणा देने और उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से, नोएडा सेक्टर 71 स्थित स्वामी विवेकानंद पार्क में पौधारोपण किया, इस अवसर पर लोगों को पर्यावरण संरक्षण करने का संकल्प दिलाया गया, इस अवसर पर बचपन बचाओ सेवा समिति के राष्ट्रीय महासचिव गौरव कुमार यादव ने कहा कि वर्तमान समय में वायु प्रदूषण की समस्या बहुत ज्यादा है। समाज में लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागृत करने की आवश्यकता है सभी को जनहित तथा पर्यावरण हित में पौधारोपण अवश्य करना चाहिए, अध्यक्ष कैलाश शाह ने कहा कि कोरोना महामारी में ऑक्सीजन का महत्व हम सबको खूब समझ आया था इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य लोगों में कैलाश शाह ,गौरव कुमार यादव, मनोज जायसवाल, मुकेश शर्मा ,सुभाष वर्मा ,राहुल पांडे, सुरजीत, मदन पाल, मनोज रावत , सुरेश शाह ,विनोद मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म कर पिलाया तेजाब, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। हैवानियत में शामिल पत्नी फरारपुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी फैक्टरी मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर पत्नी की मदद से वारदात को अंजाम देने का आरोप

है। पत्नी अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापामारी कर रही है। बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके में 15 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म और उसे तेजाब पिलाकर जान से मारने की कोशिश करने का मामला प्रकाश में आया है। पीडिता को गंभीर हालत में एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी फैक्टरी मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर पत्नी की मदद से वारदात को अंजाम देने का आरोप है। पत्नी अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापामारी कर रही है। शुक्रवार को नांगलोई थाने को एक पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने पुलिस को बताया कि उन्होंने बहन के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पकड़ रखा है। पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी जय प्रकाश को हिरासत में ले लिया। कॉलर ने बताया कि उसकी बहन एम्स में भर्ती है। पुलिस ने शनिवार को अस्पताल जाकर किशोरी का बयान लिया। पीडिता ने बताया कि वह एक जूता फैक्टरी में काम करती है। दो जुलाई को उसकी फैक्टरी के मैनेजर जय प्रकाश ने उसे किसी काम से घर बुलाया। वहां उसने अपनी पत्नी की मदद से उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में पांच जुलाई को घर जाते समय जहरीला पदार्थ पिला दिया। पीडिता किसी तरह घर पहुंची और बेहोश हो गई। इसके बाद परिजनों ने उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे एम्स रेफर कर दिया गया।

प्रगति रथ संस्था द्वारा मोमबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। प्रगतिरथ संस्था पिछले कई वर्षों से महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करती आ रही है। जिसके अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार संबंधित कार्यक्रम संस्था समय समय पर करती है। जिसके अंतर्गत आज दिनांक 11 जुलाई 2022 को ग्राम कलरया में मोमबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव की महिलाओं एवं पुरुषों को मोमबत्ती बनाने का तरीका, कच्चा माल आदि मोमबत्ती बनाने में उपयोग में आने वाली सामग्रियों के बारे में जानकारी दी गई। आधुनिक दौर को देखते हुए फैन्सी, विभिनन आकृतियों वाली मोमबत्ती भी सिखाई गई। सभी लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया। विशेषकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वरोजगार स्थापित कर ने के फायदे बताए गए। इस कार्यक्रम में संस्था से डॉ. संध्या चौहान, सना, जरीना खातून, रैडोल्फ मॉरिस, अभिषेक जादौन आदि उपस्थित रहे एवं संस्था से सत्य सिंह द्वारा मोमबत्ती प्रशिक्षण दिया गया।

बच्ची के जन्म के 24 घंटे के अंदर मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में सावित्री देवी ने कराया पंजीकरण- पुनीत टंडन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

चोपन (सोनभद्र)। थाना चोपन अंतर्गत एहतेशाम इदरीशी पतनी मनऊवर निवासी हाईडिल कॉलोनी चोपन जिनको गुरुवार की सुबह पेट में दर्द उठा तत्काल सूचना प्राप्त होते ही सुबह 5 बजे जनसेविका सावित्री देवी व परिजनों ने तत्काल आयुष्मान कार्ड स्वास्थ केंद्र में लाकर भर्ती करवाया गया व दोनों लोगों का टीकाकरण करवाया गया उसके बाद बेटी के जन्म पर खुशी में अस्पताल में मिठाई भी बाटी गई। जच्चा व बच्चा दोनों सुरक्षित सकुशल है।महिला सुरक्षा एवं जनसेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष सावित्री देवी के द्वारा यह सूचना पुनीत टण्डन जिला बाल संरक्षण अधिकारी /जिला पत्र बनवाया गया व उसके बाद फौरन मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ दिलवाने हेतु प्रथम श्रेणी में पंजीकरण किया गया जिसका पंजीकरण संख्या ॅ22700001709 है जिसमें बच्ची को सरकार द्वारा टोटल 6 श्रेणियों में 15000 रुपये की धनराशि मिल सकें।सावित्री देवी ने कहा की सभी के सुख दुःख में मैं

लेकर राबर्ट्सगंज के एक निजी अस्पताल में ले गये जहा डाक्टर ने भर्ती करने को मना कर दिया। जिसके बाद लेकर लोग दूसरे अस्पताल जाने की तैयारी कर ही रहे थे की गाड़ी में रास्ते में ही नार्मल तरीके से सुंदर सी बिटिया ने जन्म लिया जिसके बाद सब कुछ अच्छा होने की वजह से मां व बच्ची को चोपन सामुदायिक प्रोवेशन अधिकारी को दिया गया उन्होंने फौरन उस नन्ही बेटी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा बेटियों के लिये चलायी जा रही महत्वकांक्षी योजना कन्या सुमंगला योजना का फार्म आवेदन करने के लिये कहा जिसके बाद सावित्री द्वारा सभी दस्तावेज परिवार से प्राप्त करके 24 घंटे के अंदर बच्ची का जन्म प्रमाण तत्पर तैयार हु शासन प्रशासन जनप्रतिनिधियों के द्वारा सदैव सहयोग मिलने से आज यह सब कर पाना मेरे लिए संभव हो सका हैं यह सब करके मुझे बहुत सुकून मिलता हैं बचपन से हमेशा दुःख,गरीबी झेली हु इसलिये सबके दुखों में शामिल होकर उनकी मदद करना मुझे बहुत अच्छा लगता हैं।

330 लीटर अवैध शराब सहित 19 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री घुले सुशील चंद्रभान द्वारा जनपद में अवैध शराब निष्कर्षण, बिक्री एवम् परिवहन की रोकथाम के लिये कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देश के अनुपालन के क्रम में विभिनन थानों की पुलिस टीमों द्वारा भिन्न-भिन्न स्थान पर चेकिंग के दौरान कुल 330 लीटर अवैध शराब सहित कुल 19 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गयी है। विवरण निमन है- **1.थाना खैराबाद- 10 ली0 अवैध शराब सहित 01 अभियुक्त गिरफ्तार।2.थाना संदना- 140 ली0 अवैध शराब सहित 09 अभियुक्त गिरफ्तार।. 3.थाना मानपुर 20 ली0 अवैध शराब सहित 01 अभियुक्त गिरफ्तार।4.थाना इ0सु0पुर- 60 ली0 अवैध शराब सहित 03 अभियुक्त गिरफ्तार। 5.थाना हरगांव- 60 ली0 अवैध शराब सहित 02 अभियुक्त गिरफ्तार। 6.थाना रामपुरकलां- 20 ली0 अवैध शराब सहित 02 अभियुक्त गिरफ्तार।. 7. थाना रामपुर मथुरा- 20 ली0 अवैध शराब सहित 01 अभियुक्त गिरफ्तार।**

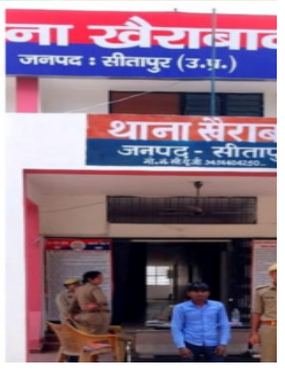

सीमेंट लदा ट्रक पलटा चालक व खलासी बचे बाल बाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के आज शुक्रवार शाम को डहकूडंडी में सीमेंट लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गई। चालक व खलासी बाल-बाल बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेलगुड़वा से कोन के तरफ सीमेंट लोड कर के जा रहा था ट्रक कि डहकूडंडी में पहुंचते ही अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई गनीमत रही कि चालक व खलासी को हल्की फुल्की चोट आई। वही ग्रामीणों ने बताया कि इस समय रोड निर्माण कार्य चल रहा है और ठीकेदार द्वारा आरसीसी ढलाई कर रोड तो बना दिया गया परन्तु पटरी नही होने के कारण आए दिन घटना दुर्घटना होती रहती हैं ,अभी कुछ दिन पहले ही एक बारातियों से भरा बस भी पलटा था जिसमें काफी लोग चोटिल हुए थे और बरसात का मौसम हैं उसपर मिट्टी पड़ने से आए दिन बाइक सवार साइकिल सवार अनियंत्रित होकर गिर कर चोटिल होते रहते हैं। ग्रामीणों शासन प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द रोड किनारे ठीकेदार द्वारा पटरी बनवाया जाय नही तो किसी दी बड़ी दुर्घटना घटी सकता हैं ।

तस्करी के ले जाये जा रहे 06 राशि गोवंश किया गया बरामद, मौके से 03 नफर अभियुक्तगण गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

चोपन (सोनभद्र)। जनपद में गोवंश तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने व इसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक कोन, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया । उक्त के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-167/2022 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम एवं 11 पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक

10.07.2022 को थाना चोपन पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान तस्करी हेतु ले जा रहे एक अदद पिकअप वाहन ळझ् 65 5037 से कुल 06 राशि गोवंश को बरामद कर मुक्त कराया गया तथा मौके से 03 नफर अभियुक्तगण 1. रईस पुत्र कोदु मियां निवासी ग्राम बज मरवा, थाना खरौंदी, जनपद गढ़वा (झारखंड) 2. राजेश बियार पुत्र सुरेंद्र बियार 3 इंद्रजीत गुप्ता पुत्र मथुरा गुप्ता निवासीगण बोदार, थाना कार्रवाई प्रचालित है । **गिरफ्तारी अभियुक्तगण का विवरण-** 01. रईस पुत्र कोदु मियां निवासी ग्राम बज मरवा, थाना खरौंदी, जनपद गढ़वा (झारखंड) । 02. राजेश बियार पुत्र सुरेंद्र बियार, निवासी बोदार, थाना कोन, जनपद सोनभद्र । 03. इंद्रजीत गुप्ता पुत्र मथुरा गुप्ता निवासी बोदार, थाना कोन, जनपद सोनभद्र । **बरामदगी का विवरण-** 1. 06 राशि गोवंश । 2. एक अदद पिकअप 64 5037 ।

शांति भंग तीन अभियुक्त को भेजा जेल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय हाथी नाला थाना क्षेत्र से तीन अभियुक्त को शांति भंग में गिरफ्तार कर भेजा जेल आज रविवार को हाथी नाला थाना क्षेत्र के चक गरदरवा गाव के तीन अभियुक्त कैलाश उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र तुलसी ,शिव शंकर उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र तुलसी, सुरेश उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र तपेश्वर, को जमीनी विवाद के आरोप में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

डीजे पर गाना बजाने को लेकर दो पक्ष में मारपीट

सोनभद्र । शक्तिनगर बीना पुलिस चौकी अन्तर्गत न्यू माइनस कालोनी किनारे पीपल वृक्ष के पास शुक्रवार की रात में डीजे पर गाना बजाने के विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्ष से जमकर लाठी, डंडे, ईंट, पत्थर चले। इससे कालोनी वासियों में हड़कंप मच गया। मारपीट में महिला समेत आधा दर्जन लोग चोटहिल हो गए। इसमें कई को गंभीर चोंटें आई थी। सूचना मिलते ही मौके पर पंहुची पुलिस ने सभी घायलों को नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस मारपीट करने वाले लोगों की तलाश में जुट गई है। बताया जा रहा है कि न्यू माइनस कालोनी के एक आवास में डीजे के धुन पर जन्मदिन पार्टी मनाया जा रहा था। सामने जमशीला वियार बस्ती में भी साउंड सिस्टम लगा कर ग्रामीण डांस कर रहे थे कि कुछ बात को लेकर दोनों पक्षों में गाली गलौज शुरू हो गया। देखते ही देखते लाठी - डंडे पत्थर से जमकर मारपीट होने लगी। मारपीट में जमशीला वियार बस्ती निवासी ठकुरानी (45), रंजू (15), शुक्का वियार (30), पउआ (26) , कालोनी निवासी छोटू (28), राजन (32) सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को नेहरू शताब्दी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज चल रहा है। पुलिस मारपीट मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के सौजन्य से बच्चों द्वारा स्कूल चलो अभियान रैली निकालकर किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

सोनभद्र । भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना सर्व शिक्षा अभियानठ के क्रम में आज दिनांक 11 जुलाई

2022 को जनपद सोनभद्र के कर्मा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा सुकृत में स्थित सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के सौजन्य से राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा के आदेशानुसार महिला जिला सचिव राधिका यादव के नेतृत्व में बच्चों द्वारा ठस्कूल चलो अभियानठ जागरूकता रैली निकाली गई। यह अभियान ग्रामीणों व ड्राप्ट आउट बच्चों को जागरूक करने के लिए निकाला गया। तथा बच्चों द्वारा नारा भी लगाया गया कि- आधी रोटी खाएंगे, बच्चों को पढ़ाएंगे, सब पढ़ें-सब बढ़ें। पापा - मम्मी, मेरा नाम लिखा दो, मैं भी पढ़ने जाऊँगी। अंत में ट्रस्ट की महिला जिला सचिव राधिका यादव द्वारा बच्चों में पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया तथा ग्रामीणों व बच्चों को समझाया गया कि लड़का हो या लड़की सभी को शिक्षित होना बहुत जरुरी है, दोनों का समान अधिकार है। जब तक नारी शिक्षित नहीं होंगी तब तक हमारा देश तरक्की नहीं कर सकता। नया सत्र 1 अप्रैल से हीं शुरू हो चुका है। गर्मी की छुट्टी के बाद 16 जून 2022 से पुनः सभी माध्यमों के विद्यालय खोल दिए गए हैं। कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए, इसलिए ग्रामीणों से अनुरोध करती हूँ कि स्कूलों में अपने-अपने बच्चों का शत- प्रतिशत नामांकन कराएं और शिक्षित बनाएं।इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता, जिला सचिव सोनभद्र दिनेश कुमार, महिला जिला सचिव सोनभद्र राधिका यादव, अभिभावक गण तथा बच्चे सम्मिलित रहे।

क्षेत्राधिकारी व हाथीनाला पुलिस ने जंगलों में किया काबिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। सोनभद्र हाथीनाला थाना क्षेत्र के आज सोमवार को क्षेत्राधिकारी ओबरा के नेतृत्व में थाना हाथीनाला पुलिस व पीएसी बल द्वारा

थाना क्षेत्र के ग्राम चक गरदरवा व गरदरवा के दूरस्थ एवं जंगली इलाकों में सघन काम्बिंग की गयी जनपद में नक्सली संचरण पर प्रभावी रोकथाम रखने, दूरस्थ व पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों से समन्वय स्थापित करने व जनता में सुरक्षा की भावना बनाये रखने एवं अभिसूचना संकलन के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री शंकर प्रसाद के नेतृत्व में थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत चक गरदरवा व गरदरवा के दूरस्थ तथा जंगली इलाकों में मय पीएसी बल सघन काम्बिंग की गयी । काम्बिंग के दौरान स्थानीय लोगों से वार्ता कर उन्हें मुख्य धारा में रहकर पुलिस का सहयोग करने व किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने या नक्सली संचरण के विषय मे जानकारी होने पर तत्काल पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने हेतु प्रेरित किया गया ।

पुलिस ने एक चोर बाइक के साथ किया गिरफ्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्रधिकारी नगर के पर्यवेक्षण प्रभारी निरीक्षक चोपन के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना चोपन में 15 जुलाई को जूतनारायन पटेल निवासी बारी के डाला कटरे से बुलट मोटरसाइकिल चोरी होने की तहरीर देकर सूचना दी तहरीर मिलते ही पुलिस ने चोरी हो जाने के सम्बंध में मुकदमा मु0अ0सं0 172/2022 धारा 379 भादवि में अज्ञात चोर पंजीकृत किया गया। पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त में चोरी हुए वाहन को थाना एनटीपीसी खैरा जिला बिहार से 15 जुलाई को ही समय 11:20 बजे बरामद कर लिया गया। बरामद के आधार पर मुकदमा उपरोक्त के आधार पर धारा 411 भादवि के तहत अभियुक्त विशाल कुमार पुत्र रवि चौधरी उम्र लगभग 20वर्ष निवासी हाल पता कन्हौरा थाना चोपन, स्थायी पता ग्राम नारायणपुर थाना कांडी जिला गढ़वा झारखंड को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाले टीम में प्रभारी निरीक्षक किरण कुमार सिंह, मनोज कुमार ठाकुर चौकीप्रभारी डाला, उ0नि0 गणेश पांडेय चोपन, का0 रविकांत शामिल रहे।

पत्थर की खदान में झब्लिंग के दौरान दो मजदूरों पर गिरा पत्थर एक की मौके पर मौत एक ट्रामा सेंटर रेफर

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिंता पांडे

ओबरा (सोनभद्र)। थाना क्षेत्र बिल्ली बघमनवा पत्थर की खदान में झबलिंग के दौरान 2 मजदूर जद में आ गए जिनके ऊपर पत्थर गिरने की वजह से 1 मजदुर की मौके पर मौत हो गयी, जबकि दूसरे मजदूर को गंभीर रूप से घायल अवस्था में जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर अलावा मामले की जांच की जा रही है। सोनभद्र के ओबरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिल्ली बाघमनवा में पत्थर की खदान में जबली के दौरान दो मजदूरों के ऊपर पत्थर गिर गया जिससे दोनों मजदूर जब मैं आ गया और एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई वही वही एक गंभीर रूप से घायल अवस्था में जिला अस्पताल ले जाया तो ना तो मजदूरों के पैर में जूते और नहीं सर पर हेलमेट है इतना ही नहीं खनन क्षेत्र में मजदूरों को दिए जाने वाला दस्ताना तक भी मजदूरों को मयस्सर नहीं है वह इस हादसे के बाद परिजनों के साथ मोलभाव कर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है जबकि मीडिया के हस्तक्षेप के बाद मामले में पुलिस व प्रशासन

प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। वही इस मामले में एसडीएम राजेश सिंह ने बताया कि रविंदो स्टोन प्रोडक्ट पत्थर की खदान में काम के दौरान चट्टान गिरने से 2 मजदूर उसके जद में आ गए जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई है जबकि दूसरे का इलाज वाराणसी ट्रामा सेंटर में चल रहा है वही जब इस मामले में एसडीएम से जानकारी लेने का प्रयास किया गया कि खदान पर पहले से 9 करोड़ की आरसी जारी है ऐसे में खदान में कार्य कैसे चल रहा था उन्होंने बताया कि आरसी पर हाई कोर्ट से स्टे है इसलिए वसूली की कार्रवाई नहीं की गई है इसके गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर गया जहां उसका इलाज चल रहा है डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि गंभीर रूप से घायल व्यक्ति यहां पर आया हुआ था जिसको प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है जबकि एक ब्राड डेड अवस्था में लाया गया जिसे मोर्चरी में रख दिया गया है।डॉ राजेंद्र प्रसाद (चिकित्सक जिला अस्पताल) जब की खदान कुए की तरह गहरी है और खदान में पानी भरा हुआ है इतना ही नहीं खदान पर 9 करोड रुपए की आरसी भी जारी है बावजूद इसके पत्थर की खदान में लगातार काम हो रहा है और सुरक्षा के मानकों की बात करें के द्वारा मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात की जा रही है।मौके पर पहुंचे एसडीएम राजेश सिंह ने बताया कि कार्य के दौरान 2 मजदूरों के ऊपर पत्थर गिरने से एक मजदूर की मौके पर मौत हो गई जबकि एक को ट्रामा सेंटर भेजा गया है जहां पर उसका इलाज चल रहा है वही जब उनसे यह जानकारी लेने का प्रयास किया गया कि खदान पर 9 करोड रुपए का अवैध खनन करने को लेकर आती है आरसी जारी की गई है ऐसे में खदान कैसे चल रही थी उन्होंने बताया फिर हाल आरती पर हाईकोर्ट से स्टे लगा हुआ है जिसके वजह से वसूली की कार्रवाई रोक दी गई है और मामले की जांच की जा रही है।

राशिफल

मेष-: निजी संबंधों में प्रेम व उत्साह रहेगा। स्वजनों व मित्रों संग सुखद समय बिताएंगे। अहम पारिवारिक मामले का समाधान करेंगे। महत्वपूर्ण लोगों से संपर्क बनेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

वृष-: पेशेवर जीवन में सफलता मिलेगी। रचनात्मकता व मौलिकता कायम रखेंगे। निजी संबंधों के प्रति भावनाएं व विचार खुलकर व्यक्त करेंगे। किसी आत्मीय संग सुखद समय बिताएंगे।

मिथुन-: कार्यशील रहने की आवश्यकता है। व्यावसायिक कार्य व निणर्य को विलंबित कर सकते हैं। आलस्य महसूस करेंगे। संबंधों में भी प्रतिबद्धता को लेकर अनिच्छुक रहेंगे।

कर्क-: परिस्थितियों से निराश होने पर उनके स्वतः परिवर्तित होने की प्रतीक्षा करना उचित होगा। मानसिक तनाव से स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

सिंह-: जीवन में संतुलन व भावनात्मक स्थिरता प्राप्त करेंगे। भौतिक मामले व वित्तीय लेनदेन सुचारू गति से संपन्न होंगे। बीमारी से उबरेंगे व ऊर्जावान महसूस करेंगे।

कन्या-: व्यावसायिक योजनाएं फलीभूत होंगी। भौतिक लाभ व आय में वृद्धि होगी। घर या संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। त्रिकोणीय पेशेवर संबंध लुभावने प्रतीत होंगे।

तुला-: भौतिक सुख व आनंद रहेगा। हृदय की भावुक इच्छा पूर्ण होगी। निजी संबंध में सुख व संतोष महसूस करेंगे। कार्यस्थल पर सफलता मिलेगी। स्वजनों व मित्रों का आतिथ्य करेंगे व मधुर समय बिताएंगे।

वृश्चिक-: जीवन के उपहारों व चुनौतियों का समान रूप से स्वागत करें। रचनात्मकता व संपूर्ण ऊर्जा के साथ एक समय पर एक कदम उठाएं। निजी संबंधों व पेशेवर जीवन में विरोध व प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता।

धनु-: अंतस में असीम ऊर्जा का स्रोत महसूस करेंगे। नए कार्य को शुरू करना हो या किसी गतिविधि को संपन्न करने के उपरांत विश्राम व नवीन ऊर्जा की आवश्यकता प्रतीत हो।

मकर-: निजी व व्यावसायिक जीवन में प्रतिबद्धता के साथ अहम परिवर्तनों व विकास यात्रा की शुरुआत करेंगे। ऊर्जा व उत्साह महसूस करेंगे, किंतु आवेश में निर्णय लेने से बचें।

कुंभ-: कार्यस्थल पर मिली विशेष जिम्मेदारी से प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यकौशल प्रदर्शित करेंगे। निजी संबंधों में प्रेम व व्यावसायिक जीवन में संतुष्टि महसूस करेंगे।

मीन-: कार्यस्थल पर रचनात्मकता के साथ नई शुरुआत करेंगे। निजी व पेशेवर जीवन के निणर्यों के संदर्भ में अंतर्मन पर विश्वास कर सकते हैं। नए विचारों व परिवर्तनों का स्वागत करेंगे।

अब पूरी दिल्ली का संपत्ति कर होगा एक, निगम के एकीकरण के बाद एकरूपता की राह

नई दिल्ली। हालांकि रिहायशी कॉलोनियां एवं ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों के निवासियों ने 90 फीसदी कर भुगतान कर दिया हो तो वे कर में 10 फीसदी की छूट प्राप्त कर सकते हैं। नगर निगम ने 16

जुलाई से पूरी दिल्ली के लिए संपत्ति कर की एक समान दर लागू करने का फैसला किया है, जो 12 से 20 फीसदी तक होगा। हालांकि रिहायशी कॉलोनियां एवं ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों के निवासियों ने 90 फीसदी कर भुगतान कर दिया हो तो वे कर में 10 फीसदी की छूट प्राप्त कर सकते हैं। कचरे के 100 फीसदी निपटान पर भी संपत्ति कर में अतिरिक्त छूट का प्रावधान किया है। इसके साथ ही सभी तरह की संपत्तियों के कर पर एक फीसदी शिक्षा उपकर भी लगेगा।नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि तीनों निगमों के एकीकरण करने के बाद संपत्ति कर में एकरूपता लानी जरूरी थी, जिन लोगों ने संपत्ति कर का पहले भुगतान कर दिया है, उन पर कोई अधिभार नहीं लेगा। निगम ने अपने सभी स्थानीय संपत्ति कर अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह जल्द उन संपत्तियों का ऑनलाइन डेटाबेस तैयार कर लें, जो संपत्ति कर भुगतान के दायरे में आती हैं। गैर-रिहायशी समेत दूसरी संपत्तियों की कर दरें 1500 वर्ग फीट तक की गैर-रिहायशी संपत्तियों से ए, बी, सी, डी व ई श्रेणी में 20 फीसदी एवं एफ, जी, एच के लिए 15 फीसदी। 1500 वर्गफुट से अधिक की गैर-रिहायशी संपत्तियों को 20 फीसदी की एक समान दर। औद्योगिक संपत्तियों पर 15 फीसदी की समान दर। सरकारी उपक्रमों, पीएसयू सांविधिक निकायों, अधिकरणों, सरकारी विभागों से रिहायशी भवनों के लिए 15 फीसदी व गैर रिहायशी भवनों के लिए 20 फीसदी हवाई अड्डों एवं उससे जुड़ी संपत्तियों के लिए आच्छादित भूमि के लिए 20 फीसदी की दर। रनवे, टैक्सी वे, एप्रोन, हवाई जहाजों की पार्किंग, पर 15 फीसदी व इससे अलग भूमि पर 10 फीसदी की दर। रिहायशी एवं गैर रिहायशी फार्म हाउस पर 20 फीसदी की एकसमान दर। कचरा निपटान पर भी मिलेगी छूट कचरे के 100 फीसदी निस्तारण, गीले कूड़े की 100 फीसदी कंपोस्टिंग, सूखे कूड़े की 100 फीसदी रीसाइक्लिंग एवं बचे हुए सूखे कूड़े को शत प्रतिशत निगम को देने पर 5 फीसदी की अतिरिक्त छूट मिलेगी। इस राशि को नगर निगम हाउसिंग सोसाइटी के ही विकास कार्यों पर खर्च करेगा। आम सहमति न होने की सूरत में यह राशि सभी करदाताओं के खाते में जमा कर दी जाएगी। समय पर करो भुगतान, पाओ छूट प्रत्येक वित्त वर्ष की पहली तिमाही 30 जून तक संपत्ति कर के एकमुश्त भुगतान पर 10 फीसदी की छूट मिलेगी। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगों एवं सेवानिवृत्त सैनिकों को खुद उपयोग वाली 100 वर्गमीटर की एक संपत्ति पर 30 फीसदी की छूट मिलेगी। वहीं, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए 10,000 रुपये तक के देय संपत्ति कर पर 2 फीसदी की दर या अधिकतम 200 रुपये की अतिरिक्त छूट मिलेगी। जिस ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी में 90 फीसदी करदाता अपने संपत्ति कर का भुगतान करेंगे उन्हें 10 फीसदी की छूट मिलेगी। रिहायशी कॉलोनी में 90 फीसदी करदाता अपना संपत्ति कर जमा करवा देंगे, निगम उस कॉलोनी में 10 फीसदी या अधिकतम एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि से विकास कार्य करवाया जाएगा।

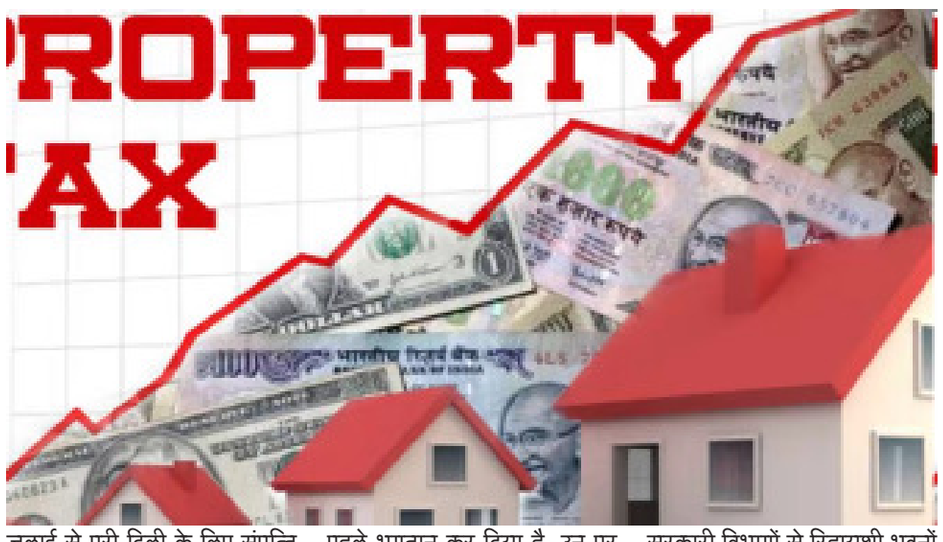

सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

नई दिल्ली।जानें फोन और टीवी पर फ्री में कैसे देखें लाइव वनडे सीरीज में दोनों टीमें एक-एक मैच जीत चुकी हैं और तीसरा मैच जीतने वाली टीम सीरीज भी अपने नाम करेगी। भारत जीत के साथ अपने दौरे का अंत करना चाहेगा। टी20 सीरीज हारने के बाद इंग्लैंड की कोशिश वनडे सीरीज जीतने पर होगी। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का आखिरी मैच एजबेस्टन में है। सीरीज के लिहाज

से यह मुकाबला निर्णायक होने वाला है। फिलहाल सीरीज में दोनों टीमें एक-एक मैच जीत चुकी हैं और तीसरा मैच जीतने वाली टीम ही सीरीज अपने नाम करेगी। पहला मैच भारत ने 10 विकेट के अंतर से जीता था, तो दूसरे मैच में इंग्लैंड ने 100 से जीत हासिल की थी। भारत ने वनडे में इंग्लैंड से अब तक 10 सीरीज जीती हैं, लेकिन इंग्लैंड की धरती पर उसे तीन सीरीज में ही जीत मिली है (इसमें 1986 में 1-1 से बराबर छूटी सीरीज भी शामिल है, जिसमें भारत को विजेता घोषित किया गया था)। अंतिम बार उसे इंग्लैंड में आठ साल पहले 2014 में 3-1 से जीत हासिल हुई थी। आइए जानते हैं इस मैच के प्रसारण और ऑनलाइन टेलीकॉस्ट से जुड़ी सारी जानकारी कब होगा भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे मैच भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला 17 जुलाई यानी रविवार को खेला जाएगा। कहां खेला जाएगा भारत और इंग्लैंड के बीच मैच भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे मुकाबला मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में खेला जाएगा कब शुरू होगा भारत और इंग्लैंड का मुकाबला भारत और इंग्लैंड के मैच में टॉस भारतीय समयानुसार दोपहर तीन बजे होगा और पहली गेंद साढ़े तीन बजे फेंकी जाएगी। कौन से टीवी चैनल पर प्रसारित होगा मैच भारत-इंग्लैंड सीरीज के प्रसारण का अधिकार सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास है। इसलिए इस मैच का प्रसारण भी सोनी स्पोर्ट्स के चैनल पर किया जाएगा। आप सोनी स्पोर्ट्स के चैनल पर अलग-अलग भाषाओं में लाइव मैच देख सकते हैं। कहां देख सकते है लाइव मैच भारत-इंग्लैंड सीरीज के सभी मैच की लाइव-स्ट्रीमिंग भारत में सोनी लिव एप पर देखी जा सकती है। इसके अलावा मैच से जुड़ी खबरें और रिकॉर्ड्स पर भी पढ़ सकते हैं। मुफ्त में कैसे देख सकते है मैच भारत और इंग्लैंड का मैच मोबाइल फोन और टीवी में बिना किसी अतिरिक्त लागत के देखा जा सकता है। अगर आपके पास रिलाइंस जियो की सिम है तो आप अपने मोबाइल फोन में जियो टीवी के जरिए यह मैच मुफ्त में देख सकते हैं। वहीं, डीडी फ्री डिश के डीडी स्पोर्ट्स चैनल पर भी यह मैच मुफ्त में देखा जा सकता है।

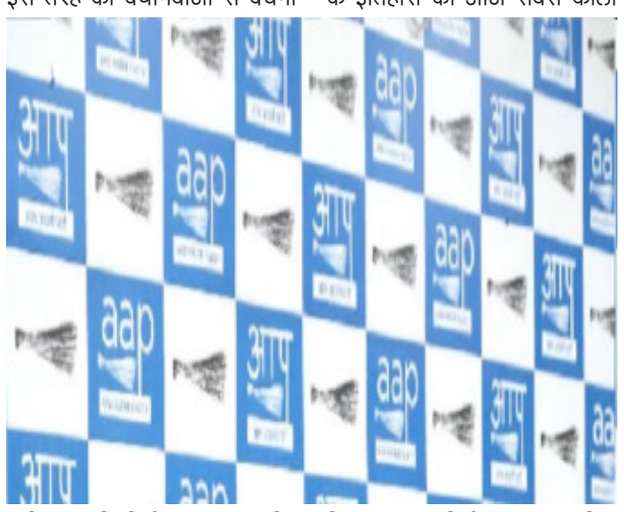

तीसरे वनडे से पहले कोहलीजडेजा ने जमकर बहाया पसीना, ऋषभ पंत से बात करते दिखे कोच द्रविड़

नई दिल्ली।भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला आज मैनचेस्टर के मैदान में खेला जाएगा। सीरीज के लिहाज से यह मैच बेहद अहम है। अब तक दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीता है। पहले वनडे में भारत ने 10 विकेट से जीत

हासिल की थी। वहीं, दूसरा मुकाबला इंग्लैंड ने 100 रन से अपने नाम किया था। अब तीसरा मैच जीतने वाली टीम ही सीरीज अपने नाम करेगी। इस मैच से पहले भारतीय खिलाडि़यों ने जमकर अभ्यास किया। खासकर विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने अभ्यास के दौरान खूब पसीना बहाया। वहीं, कोच राहुल द्रविड़ इस दौरान ऋषभ पंत से बात करते दिखे। तीसरे वनडे मैच से पहले विराट कोहली ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया। उन्होंने नेट्स में काफी देर तक अभ्यास किया। कोहली लंबे समय से बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं और टीम में उनकी जगह पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। रवींद्र जडेजा ने भी इस मैच से पहले गेंदबाजी में जमकर अभ्यास किया। इंग्लैंड दौरे में जडेजा गेंद के साथ कुछ खास नहीं कर पाए हैं। वो बल्ले के साथ कई उपयोगी पारियां खेल चुके हैं, लेकिन गेंद के साथ प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। आखिरी मैच में जडेजा गेंद के साथ अपनी लय हासिल करना चाहेंगे। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने इस मैच से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से काफी बातचीत की। दूसरे वनडे में पंत खाता खोले बिना आउट हो गए थे। वहीं, टी20 सीरीज में भी वो कुछ खास नहीं कर पाए। टेस्ट में शतक लगाने के बाद पंत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इस वजह से कोच द्रविड़ ने तीसरे मैच से पहले उनके साथ काफी बातचीत की। सूर्यकुमार यादव ने भी इस मैच से पहले काफी अभ्यास किया। उन्होंने तीसरे टी20 मैच में शानदार शतक लगाया था, लेकिन वनडे सीरीज में वो कुछ खास नहीं कर पाए हैं। पहले मैच में उनको बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था, लेकिन दूसरे मैच में वो बड़ी पारी नहीं खेल पाए। इस मैच में अच्छा प्रदर्शन कर वो वनडे टीम में भी अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

दिल्ली के इतिहास का सबसे काला दिन

नई दिल्ली। भाजपा के कार्यकर्ता की तरह व्यवहार न करें उपराज्यपा लदुर्गेश पाठक ने कहा कि उपराज्यपाल का यह बहुत ही गैरजिम्मेदाराना बयान है। एलजी को इस तरह की बयानबाजी से बचना

चाहिए, क्योंकि दिल्ली का प्रत्येक व्यक्ति ईमानदारी से टैक्स देता है।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार के नुमाइंदे उपराज्यपाल का दिल्ली वालों को चोर कहना गलत है। एमसीडी के कंगाल होने की वजह दिल्ली वाले नहीं, बल्कि भाजपा है। भाजपा शासन में एमसीडी ने डेंगू की दवाई से लेकर कूड़े की सफाई, बच्चों की किताब खरीदने, हाउस टैक्स सहित हर काम में भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने उपराज्यपाल से अपील की कि भाजपा के कार्यकर्ता की तरह व्यवहार करने के बजाय अपने गैरजिम्मेदाराना बयान के लिए दिल्ली वालों से माफी मांगें।आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी और विधायक दुर्गेश पाठक ने बृहस्पतिवार को पार्टी मुख्यालय में कहा कि दिल्ली के इतिहास का आज सबसे काला दिन होगा, जब दिल्ली के पहले नागरिक उपराज्यपाल ने दिल्ली वालों को चोर कहा है। उन्होंने अपने ट्वीट के माध्यम से कहा कि दिल्ली की एमसीडी को सबसे अमीर बनाया जा सकता है, अगर दिल्ली वाले ईमानदारी से टैक्स दें तो। उन्होंने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल की सरकार आई तो दिल्ली का बजट 25 हजार करोड़ रुपये था। छह सालों के भीतर दिल्ली का बजट लगभग 70 हजार करोड़ रुपये हो गया है। यह सब दिल्ली वालों ने किया है। हमने किसी राज्य व केंद्र सरकार और कही अन्य से एक रुपया कर्जा नहीं लिया है। यह पैसा दिल्ली वालों ने टैक्स के माध्यम से दिया है उपराज्यपाल को एमसीडी के बुरे हालात की वजह बताते हुए दुर्गेश पाठक ने कहा कि इसके लिए दिल्ली वाले जिम्मेदार नहीं हैं। हम दिल्ली वाले तो उनको बहुत टैक्स देते है, लेकिन भाजपा शासन में एमसीडी ने डेंगू की दवा 3600 रुपये किलो के हिसाब से खरीदी है, वहीं भोपाल की नगर निगम ने महज 2400 रुपये प्रति किलो के हिसाब से खरीदा है। कूड़े की सफाई के लिए ट्रोमा मशीन खरीदी गई जिसका बाजार भाव 17 लाख रुपये है, लेकिन एमसीडी उसी मशीन के लिए 19 लाख रुपये प्रति महीने के हिसाब से किराया दे रही है। बच्चों की किताब खरीदने व हाउस टैक्स में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि गांधी मैदान पार्किंग, शिवा मार्केट की पार्किंग, कुतुब रोड पार्किंग, नोवेल्टी सिनेमा, नानी वाला बाग, मोती नगर का शॉपिंग कांपलेक्स, डिलाइट सिनेमा के पास 22 दुकान, संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में 132 प्लॉट, करोल बाग के पांच शॉपिंग कांपलेक्स पार्किंग, शालीमार बाग के स्कूल की पार्किंग, 34 स्कूलों की बिल्डिंगों को कोचिंग सेंटरों, निजी अस्पतालों की खाली जमीन, दिल्ली की हेरिटेज बिल्डिंग टाउन हॉल, आरबीटीबी हॉस्पिटल की खाली जमीन बेच दी है। वहीं उपराज्यपाल दिल्ली वालों को चोर बता रहे है। उपराज्यपाल के लिए ऐसी भाषा शोभा नहीं देती है। इस तरह की भाषा बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। दिल्ली वाले यह बर्दाश्त नहीं करेंगे।

भारतीय फुटबॉल के नए संविधान का मसौदा तैयार

नई दिल्ली। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई की अगली तारीख 21 जुलाई है। सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद एआईएफएफ की विशेष आम सभा की बैठक में नए संविधान को मंजूरी दी जाएगी और इसके बाद 30 दिन के अंदर चुनाव होंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के नए संविधान का मसौदा मंजूरी के लिए सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। प्रशासकों की समिति (सीओए) ने इसे तैयार किया है। एआईएफएफ ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इसे शुक्रवार को शीर्ष अदालत में पेश किया गया। एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव सुनंदो धर ने कहा, ठविभिन्न हितधारकों के साथ लंबी चर्चा के बाद, एआईएफएफ के संविधान का मसौदा आखिरकार अदालत को सौंप दिया गया है। धर ने कहा ठमैं इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूं, और आशा करता हूं कि नए संविधान के साथ, हम भारतीय फुटबॉल के विकास के साथ आगे बढ़ सकते हैं। शीर्ष अदालत ने इस साल 18 मई को सीओए की नियुक्ति की थी, जिसमें न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अनिल आर दवे, भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ एसवाई कुरैशी और भारत के पूर्व कप्तान भास्कर गांगुली शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने सीओए को संविधान को अपनाने में मदद करने और एआईएफएफ के चुनाव जल्द से जल्द कराने के उद्देश्य से मतदाता सूची तैयार करने का निर्देश दिया था। संविधान तैयार करने के लिए सीओए ने 150 घंटे से अधिक काम किया है।

आमिर ने रमीज राजा पर साधा निशाना, कहा उन्हें बस कुर्सी से प्यार, इमरान को भी दिया 'धोखा'

नई दिल्ली। आमिर ने पाकिस्तान टीम में अपनी वापसी के लिए दरवाजे बंद नहीं किए हैं। आमिर ने कहा है कि अगर उनकी परेशानियों को दूर किया जाता है तो वह फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं। मोहम्मद आमिर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा अन्यायपूर्ण और गलत व्यवहार का हवाला देते हुए दिसंबर 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आमिर ने मिस्बाह-उल-हक और वकार यूनुस की मौजूदगी वाले कोचिंग टीम और टीम मैनेजमेंट की खुलेआम आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि वह गलत मानसिकता वाले पाकिस्तान टीम के साथ नहीं खेलेंगे। यह घटना डेढ़ साल पहले की है, लेकिन मौजूदा समय में आमिर ने पाकिस्तान टीम में अपनी वापसी के लिए दरवाजे बंद नहीं किए हैं। आमिर ने कहा है कि अगर उनकी परेशानियों को दूर किया जाता है तो वह फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं। आमिर ने संन्यास लेने का फैसला सितंबर 2021 में रमीज राजा के पीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद लिया था। तब रमीज को तीन साल के कार्यकाल के लिए पीसीबी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। पाकिस्तान ने भले ही पिछले कुछ महीनों में सत्ता का हस्तांतरण देखा हो, लेकिन आमिर की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर भी

असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने पूर्व दिग्गज क्रिकेटर इमरान खान के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद रमीज राजा से भी पद छोड़ने को लेकर सवाल किए हैं। इमरान को संसद में अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के पद से हटा दिया गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान बोर्ड के मौजूदा सदस्यों ने वापसी के लिए उनसे संपर्क किया है, आमिर ने जवाब दिया- मेरा और रमीज राजा का बहुत पुराना प्यार है जो खत्म नहीं होगा (हमारा रिश्ता बहुत पुराना है और यह खत्म नहीं होगा)। यह समझ में आता है कि जब उन्होंने (राजा) पदभार संभाला तो मैंने रिटायरमेंट वापस क्यों ले ली। आमिर ने ये सारी बातें पाकिस्तान के न्यूज चैनल से कही।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ने के बाद से आमिर ने दुनिया भर की लीगों में खेलने पर ध्यान केंद्रित किया। वह पाकिस्तान सुपर लीग (इएथ) में कराची किंग्स का प्रतिनिधित्व करते हैं और हाल ही में टी-20 ब्लास्ट में ग्लूस्टरशायर टीम के लिए साइन किया है। इसके अलावा आमिर बिग बैश लीग, द हंड्रेड से भी जुड़ चुके हैं। आमिर ने रमीज राजा के लिए कहा- उनका रुख अन्य लोगों के लिए नहीं बदलता है, लेकिन कोई भी नियम उन पर लागू नहीं होता। यदि आप उनके पुराने वीडियो देखते हैं तो उन्होंने कहा था कि अगर इमरान खान चले गए तो वह एक मिनट भी नहीं पीसीबी अध्यक्ष के पद पर नहीं रहेंगे। हालांकि, अब पद छोड़ने के बारे में उनका रुख बदल गया है। उनकी जान चली जाए, लेकिन कुर्सी ना जाए। वह अपना पद नहीं छोड़ेगा चाहे कुछ भी हो। कुर्सी तो सबको प्यारी होती है। कुर्सी का आनंद लेने दो उनको। हर कोई एक शक्तिशाली रहना पसंद करता है। उन्हें आनंद लेने दें।आमिर ने पहले कहा था कि तत्कालीन टीम मैनेजमेंट द्वारा उनके मामले को गलत तरीके से पेश किया गया था। आमिर ने यह भी कहा कि वसीम खान ने उन्हें इन चिंताओं को दूर करने का आश्वासन दिया। आमिर ने कहा- वसीम खान पीएसएल के छठे सीजन के दूसरे चरण से पहले मेरे घर आए। हमने मेरे संन्यास पर विस्तृत चर्चा की। मैंने अपनी सारी चिंताओं को उनके साथ साझा किया और सच कहूं तो उन्होंने बहुत गंभीरता से मेरी बात सुनी।

लंदन में घूमने निकले एमएस धोनी, भीड़ के बीच फंसे, धक्का लगने से लड़खड़ाए

नई दिल्ली। धोनी इन दिनों लंदन में हैं। वे भारत और इंग्लैंड के बीच दोनों वनडे देखने पहुंचे थे। इस दौरान धोनी ने कई सितारों से भी मुलाकात की थी। टी-20 सीरीज के दौरान धोनी टीम इंडिया की ड्रेसिंग रूम में भी पहुंचे थे। भारत के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों लंदन में हैं। हालांकि, शुक्रवार को

वह लंदन की सड़कों पर एक मुसीबत में फंस गए। धोनी जब घूमने के लिए लंदन की सड़कों पर निकले तो उन्हें भारतीय फैन्स ने घेर लिया और सेल्फी लेने लगे। इस दौरान धोनी को किसी फैन ने धक्का मारा। इससे वह लड़खड़ा गए और उनके हाथ में रखा सामान गिर गया। हालांकि, धोनी ने इस पर कुछ नहीं कहा और सामान उठाकर चलते बने। इसके बाद जब सुरक्षाकर्मियों ने देखा की धोनी परेशानी में पड़ते नजर आ रहे हैं तो उन्होंने सहारा दिया और धोनी को सुरक्षित कार तक ले गए। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। धोनी इन दिनों लंदन में हैं। वे भारत और इंग्लैंड के बीच दोनों वनडे देखने पहुंचे थे। इस दौरान धोनी ने कई सितारों से भी मुलाकात की थी। टी-20 सीरीज के दौरान धोनी ड्रेसिंग रूम में भी पहुंचे थे।वनडे मैच के दौरान धोनी और सुरेश रैना लंदन में साथ नजर आए थे। दोनों ने साथ मैच का आनंद लिया, लेकिन दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया को 100 रनों से करारी हार मिली थी। इतना ही नहीं धोनी ने हरभजन सिंह से भी मुलाकात की थी। इसके अलावा सौरव गांगुली और सचिन तेंदुलकर भी भारत-इंग्लैंड के बीच वनडे मैच देखने पहुंचे थे। माही ने सात जुलाई को लंदन में ही अपना 41वां बर्थडे मनाया था। उसके बाद वह विंबलडन का मैच देखने पहुंचे थे। धोनी की पतनी साक्षी ने बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की थी। फोटो में ऋषभ पंत भी नजर आए थे। धोनी भारत के सबसे सफल कप्तान है। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप, 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीते है। इसके अलावा टीम ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी भी अपने नाम की थी।

मां बनने के 16 दिन बाद मारिया शारापोवा ने शेयर की बेटे की तस्वीर

नई दिल्ली।नाम भी बताया, जानें इसका मतलबमारिया शारापोवा ने 35 साल की उम्र में बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने फोटो शेयर कर अपने बेटे का नाम भी बताया है। शारापोवा के बेटे का नाम थियोडोर है, जिसका अर्थ होता है भगवान का तोहफा। रूस की टेनिस खिलाड़ी मारिया शारापोवा 35 साल की उम्र में मां बनी हैं। उन्होंने बेटे को जन्म दिया है। शारापोवा ने अपने बेटे की तस्वीर शेयर करते हुए बताया है कि उसका नाम थियोडोर है, जिसका अर्थ होता है भगवान का तोहफा। उन्होंने ब्रिटेन के एलेक्सजेंडर गिलेक्स के साथ भी फोटो शेयर की है, जो उनके मंगेतर हैं। शानिया और एलेक्सजेंडर ने साल 2020 में सगाई की थी। इससे पहले इन दोनों से दो साल तक एक दूसरे को डेट किया

था। सानिया ने अपने मंगेतर के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा ठसबसे खूबसूरत, चुनौतीपूर्ण, और तोहफा जो हमारा छोटा सा परिवार मांग सकता है।ठ शारापोवा और एलेक्सजेंडर ने अपने बच्चे का नाम थियोडोर रखा है। यह ग्रीक भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है। भगवान का तोहफा। शारापोवा ने अपने बेटे के जन्म की तारीख रोमन लिपि में लिखी है। उनके बेटे का जन्म एक जुलाई को हुआ था। पांच ग्रैंडस्लैम जीतने वाली मारिया शारापोवा इस साल 19 अप्रैल को 35 साल हो हुई थीं। साल 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने के बाद उन्होंने टेनिस को अलविदा कह दिया था। उनके मंगेतर एलेक्सजेंडर 42 साल के हैं। वो सगाई से पहले तक शारापोवा के अधिकतर मैच देखने पहुंचते थे। दोनों को कई बार साथ में देखा गया था। शारापोवा ने साल 2004 में अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था। उस समय उनकी उम्र महज 17 साल थी। उन्होंने विंबलडन ओपन अपने नाम किया था। इसके बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन भी अपने नाम किया। 2016 में उन पर डोपिंग के चलते 15 महीने का प्रतिबंध लगा था और 2017 में उन्होंने वापसी की थी, लेकिन वापसी के बाद कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीत पाईं।

शोएब अख्तर ने किया विराट का समर्थन, बोले- कोहली ने 70 अंतरराष्ट्रीय शतक घर के आंगन में नहीं लगाए

नई दिल्ली। पाकिस्तान से कोहली को काफी समर्थन मिला है। पाक कप्तान बाबर आजम से लेकर रशीद लतीफ तक कोहली के पक्ष में बयान दे चुके हैं। अब इस फेहरिस्त में शोएब अख्तर भी शामिल हो चुके हैं। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर भी विराट कोहली के समर्थन में खड़े हो गए हैं। उन्होंने विराट की आलोचना करने वालों को करारा जवाब दिया है। अख्तर ने कहा कि कोहली ने 70 अंतरराष्ट्रीय शतक घर के आंगन में या कैंडी क्रश वीडियो गेम खेलते हुए नहीं लगाए हैं। दरअसल, कोहली नवंबर 2019 के बाद से कोई शतक नहीं लगा पाए हैं। इस दौरान वह कोई मैच जिताऊ पारी भी नहीं खेल पाए है। ऐसे में आगामी टी-20 वर्ल्ड कप से उन्हें बाहर करने की मांग उठने लगी है। यहां तक कि भारत के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव और वीरेंद्र सहवाग भी उन्हें टीम से बाहर करने की मांग कर चुके है। हालांकि, पाकिस्तान से कोहली को काफी समर्थन मिला है। पाक कप्तान बाबर आजम से लेकर रशीद लतीफ तक कोहली के पक्ष में बयान दे चुके हैं। अब इस फेहरिस्त में शोएब अख्तर भी शामिल हो चुके हैं। हालांकि, अख्तर ने यह भी माना कि फॉर्म में चल रहे किसी जूनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर कर आउट ऑफ फॉर्म कोहली को खिलाना गलत है। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा- कपिल देव मेरे सीनियर हैं और उनकी एक राय है और एक राय रखना ठीक है, क्योंकि वह एक महान क्रिकेटर हैं। उन्हें अपनी राय देने का अधिकार है, लेकिन एक पाकिस्तानी के रूप में मैं कोहली का समर्थन क्यों कर रहा हूं यह मैं आपको बताना चाहूंगा। कोहली ने 70 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं। ऐसा वह घर के आंगन में या कैंडी क्रश खेलते नहीं बनाए हैं। अख्तर को यह समझने में तकलीफ होती है कि कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी को बाहर करने के बारे में कोई कैसे सोच सकता है। अख्तर ने कहा- आपने सपने में भी कैसे सोचा कि कोहली को भारतीय टीम से बाहर किया जा सकता है विराट कोहली का करियर खत्म हो गया ठीक है, काफी सही। विराट कोहली को हटा दिया जाना चाहिए सहमत। अब जब मैं ये बातें सुनता हूं तो मैं हंसता हूं और लोगों से कहता हूं कि विराट पिछले 10 सालों में दुनिया का सबसे महान बल्लेबाज रहा है।

'इमरजेंसी' के निर्देशन पर बोलीं कंगना रणौत

नई दिल्ली। समुद्र किनारे चिल करती दिखीं मौनी रॉयमनोरंजन जगत एक ऐसी जगह है जहां हर पल कुछ ना कुछ होता ही रहता है। नई फिल्मों की रिलीज हो या सेलिब्रिटी से जुड़ा कोई अपडेट इस फिल्मी दुनिया में खबरों की भरमार है। मनोरंजन जगत की इन्हीं छोटी- बड़ी हर खबर के लिए पढ़ें फिल्मबॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर की कथित तौर पर रविवार को होने वाली गोद भराई की रस्म रद्द कर दी गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने अपने परिवार और दोस्तों के लिए मुंबई में एक भव्य गोद भराई की योजना बनाई थी। हालांकि, हाल ही में मुंबई में कोविड -19 के बढ़ते देखते हुए समारोह को अब रद्द कर दिया गया है। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की सुपरहिट फिल्म बजरंगी भाईजान को रिलीज हुए आज सात साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म के अलग भाग को लेकर नया अपडेट सामने आया है। फिल्म के लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने बताया कि अगले भाग में पहले भाग की निरंतरता होगी। बजरंगी भाईजान 2 की कहानी 8 से 10 साल का लीप लेगी। इन दिनों अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में चल रही अभिनेत्री सुष्मिता सेन जल्द ही अपनी लोकप्रिय वेब सीरीज आर्या के नए सीजन के साथ दर्शकों ाका मनोरंजन करती नजर आएंगी। इसी बीच एक्ट्रेस हाल ही में सीरीज में अपने भाई के किरदार में नजर आए एक्टर अंकुर भाटिया के साथ नजर आई।

बजरंगी भाईजान के सात साल पूरे, यहां पढ़ें फिल्म के सीक्वल से जुड़ा हर अपडेट

नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने पिछले साल ही अपनी सुपरहिट फिल्म बजरंगी भाईजान के सीक्वल की घोषणा की थी। लेकिन फिल्म को लेकर किसी भी तरह की कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई थी। इस फिल्म को रिलीज हुए आज सात साल पूरे हो चुके हैं। इस खास मौके पर फिल्म के लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने अपनी इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट दिया है। बजरंगी भाईजान के लेखक ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर एक बड़ा अपडेट प्रदान किया है एक विशेष बातचीत में ईगा, बाहुबली फ्रैंचाइजी और आरआरआर जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले फिल्म निर्माता ने पुष्टि की कि बजरंगी भाईजान 2 का मूल विचार बंद है। उन्होंने कहा कि, ''मैंने भाई को कहानी की रूपरेखा सुनाई है और उन्हें यह पसंद आई है। अब गेंद उनके पाले में है कि समय पर फैसला किया जाए।'' इस दौरान उन्होंने यह भी साफ किया कि फिल्म के अगले भाग में पहले भाग की निरंतरता होगी। बजरंगी भाईजान 2 की कहानी 8 से 10 साल का लीप लेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीक्वल पहले भाग से कम नहीं होगा। वहीं फिल्म के नाम का खुलासा करते हुए उन्होंने बताया कि सीक्वल का नाम पवन पुत्र भाईजान है। विजयेंद्र प्रसाद ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें मेगास्टार चिरंजीवी की पासिवडी प्रणम से बजरंगी भाईजान फिल्म के बारे में मूल विचार मिला था। विजयेंद्र प्रसाद के एक सहयोगी ने सुझाव दिया था कि उन्हें एक फिल्म बनानी चाहिए

जिसमें हमारा हीरो पाकिस्तान जाकर उन्हें कोसता है। लेकिन उन्होंने स्क्रिप्ट में सुधार किया क्योंकि उनका इरादा एक ऐसी फिल्म बनाने का था जो दोनों देशों के बीच दुश्मनी को बढ़ाए नहीं बल्कि इसे कम करे। वर्कफ्रंट की बात करें अभिनेता सलमान खान इन दिनों फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित फिल्म 'भाईजान' की शूटिंग कर रहे हैं। इस एक्शन कॉमेडी फिल्म को खत्म करने के बाद सलमान जनवरी 2023 से ठनो एंट्रीठ के एक और बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर काम करना शुरू करेंगे। इसके अलावा उनकी ठटाइगर 3ठ भी ईद 2023 पर रिलीज होने वाली है। अभिनेता फिल्म कभी ईद कभी दीवाली में भी नजर आने वाले हैं। साथ ही उनकी दंबग फैंचाइजी की फिल्म ठदबंग 4ठ भी पाइपलाइन में है।

क्या 'केजीएफ' को टक्कर दे पाएगी 'शमशेरा', जानिए पहले दिन कितनी होगी कमाइ

नई दिल्ली। रणबीर कपूर बॉलीवुड के 'चॉकलेट ब्वॉय' कहे जाते हैं, जो अब एक्शन हीरो की लिस्ट में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता आखिरी बार चार साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'संजू' में नजर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था और अब रणबीर कपूर एक लंबे ब्रेक के बाद फिल्म 'शमशेरा' से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। 22 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म में रणबीर हाईटैक एक्शन करते हुए नजर आएंगे, जिसकी झलक फैंस ट्रेलर और फिल्म के गानों में देख चुके हैं। इन छोटी-छोटी झलकियों ने ही फैंस को इस फिल्म के लिए एक्साइटेड कर दिया है। ऐसे में यह फिल्म पहले दिन क्या कमाल दिखा पाएगी? आइए आपको बताते हैं 'फिल्म शमशेरा' की एडवांस बुकिंग पर दर्शक नजर बनाए बैठे हैं और यह एडवांस बुकिंग भी 16 जुलाई से शुरू हो चुकी है, जिसमें मेकर्स के लिए अच्छी खबर सामने आई है। बड़ी संख्या में दर्शकों ने फिल्म को देखने की इच्छा जाहिर की है और इसी वजह से माना जा रहा है कि फिल्म पहले दिन शानदार ओपनिंग कर सकती है। दावा ये भी है कि 'शमशेरा' के पहले दिन का कलेक्शन 2022 की अच्छी ओपनिंग फिल्मों में से एक होगा। उम्मीद है कि यह फिल्म पहले दिन 10 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई कर सकती है 'शमशेरा' फिल्म की कहानी काजा नाम के

काल्पनिक शहर में सेट की गई है जहां एक लड़ाका जनजाति को निदर्यी दबंग जनरल शुद्ध सिंह ने गुलाम बनाकर कैद कर रखा है और उन्हें प्रताडि़त कर रहा है। दूसरी तरफ एक ऐसा शख्स है, जो कबीले की आजादी की लड़ाई लड़ता है और वह शमशेरा है। फिल्म में रणबीर कपूर का डबल रोल हैं और निदर्यी दबंग जनरल के किरदार में संजय दत्त हैं जो वाकई काफी खौफनाक लग रहे हैं।

राजकुमार राव की फिल्म के कलेक्शन में उछाल, बाकी फिल्मों को शनिवार को ये रहा हाल

नई दिल्ली। टिकट खिड़की पर हिंदी सिनेमा के सितारे एक बार फिर अपनी चमक खोते नजर आ रहे हैं। बीते शुक्रवार रिलीज हुई चारों हिंदी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चारों खाने चित हो चुकी हैं। राजकुमार राव स्टारर फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' का कलेक्शन फिर भी शनिवार को थोड़ा बेहतर हुआ। लेकिन, 'शाबाश मिथु' के

उबरने की अब कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'लड़की द ड्रैगन गर्ल' और विक्रम भट्ट निर्देशित 'जुदा होके भी' का कलेक्शन इतना भी नहीं कि उसकी गिनती की जाए। उधर, तमिल में रिलीज हुई फिल्म 'द वॉरियर' ने गुरुवार को शानदार ओपनिंग के बाद शुक्रवार और शनिवार को भी अपना कलेक्शन बढ़िया रखा है। एमी विर्क की पंजाबी फिल्म 'बाजरे दा सिट्टा' की ओपनिंग भी औसत ही दिख रही है। शुक्रवार को सिर्फ 1.35 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ रिलीज हुई राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' का कलेक्शन शनिवार को करीब 45 फीसदी इजाफे के साथ 2.01 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। दोपहर में इस बात की चर्चा उठी थी कि ये फिल्म शनिवार को शुक्रवार से दोगुना तक कारोबार कर सकती है लेकिन शाम और देर रात के शोज में लोगों के न आने से इस उम्मीद पर भी पानी फिर गया। फिल्म को छोटे शहरों में दर्शक तलाशने पड़ रहे हैं, मल्टीप्लेक्स में फिर भी सिनेमाहॉल में थोड़ी बहुत रौनक नजर आ रही है। उधर, जस ग्रेवाल निर्देशित एमी विर्क की फिल्म 'बाजरे दा सिट्टा' के कलेक्शन में भी शनिवार को करीब 15 फीसदी का सुधार देखा गया। तानिया, सीमा कौशल और रुपिंदर रुपी की अहम भूमिकाओं वाली इस फिल्म ने शुक्रवार को करीब 40 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। शनिवार के शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से फिल्म ने करीब 46 लाख रुपये का इजाफा अपने कलेक्शन में और किया है। हिंदी सिनेमा की दिग्गज म्यूजिक कंपनी रही टिप्स ने ये पंजाबी फिल्म बनाई है। बॉक्स ऑफिस पर ये हफ्ता तमिल फिल्म 'द वॉरियर' के नाम होता दिख रहा है। साई पल्लवी स्टारर इस फिल्म को तेलुगू में भी रिलीज किया गया है और ये फिल्म गुरुवार को ही सिनेमाघरों में पहुंच गई थी। रिलीज के पहले दिन 10 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली फिल्म 'द वॉरियर' का कलेक्शन शुक्रवार को करीब 3.65 करोड़ रुपये रहा। शनिवार के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने अपना कलेक्शन शुक्रवार से बेहतर करते हुए करीब चार करोड रुपये कमाए हैं।

खत्म हुआ इंतजार, आलिया रणबीर की फिल्म का 'केसरिया' गाना रिलीज, दिखी दोनों की शानदार केमिस्ट्री

नई दिल्ली। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का बज फैंस के बीच बना हुआ है। 9 सितंबर को पैन इंडिया लेवल पर रिलीज होने वाली इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच इस फिल्म के गाने 'केसरिया' का भी सबको इंतजार था, जिसके टीजर में आलिया और रणबीर की केमिस्ट्री ने फैंस का दिल जीत लिया। लेकिन अब फिल्म के मेकर्स ने इस गाने को रिलीज कर

दिया है। जी हां, फैंस के इंतजार को खत्म करते हुए 'ब्रह्मास्त्र' के सबसे लोकप्रिय गाने 'केसरिया' को रिलीज कर दिया गया है, जिसमें आलिया और रणबीर ने कमाल कर दिखाया है। 2 मिनट 52 सेकंड के इस गाने में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के कई सारे ऐसे सीन दिखाए गए हैं, जो फैंस का दिल जीतने के लिए काफी हैं। इस गाने में दोनों की केमिस्ट्री लाजवाब है। इस गाने की सबसे खूबसूरत बात इसकी लोकेशन है। यह गाना वाराणसी में शूट हुआ था, जिसके लिए कहा जाता है कि यहां की हवाओं में इश्क है। आलिया और रणबीर की केमिस्ट्री से सजे इस गाने को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है और गाने को लिखा अमिताभ भट्टाचार्य ने है। आलिया भट्ट और रणबीर की यह फिल्म हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगू, कनन्ड़ और मलयालम में भी रिलीज होगी। ऐसे में यह गाना भी अलग-अलग भाषाओं में रिलीज हुआ है। गाना रिलीज होने के बाद आलिया ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर अलग-अलग पोस्ट शेयर की है, जिसमें गाने के अलग-अलग भाषाओं वाले पोस्टर हैं। इस गाने को हिंदी में 'केसरिया' टाइटल दिया है। वहीं, कनन्ड़ में 'कुमकुमला' नाम दिया गया है। बता दें कि अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के तीन पार्ट आएंगे। पहला पार्ट इसी साल 9 सितंबर को रिलीज होगा तो बाकी बाद में आएंगे। अपनी शादी से पहले ही रणबीर और आलिया ने फिल्म की शूटिंग खत्म की थी। इस फिल्म में इनके अलावा अमिताभ बच्चन, नागुर्जन, मौनी रॉय और डिंपल कपाडि़या भी मुख्य भूमिका निभाएंगे।

भाग्य लक्ष्मी में नया धमाका अनुपमा से दूर होंगे बच्चे, आज ही जानें सोमवार का सीरियल अपडेट

नई दिल्ली। टीवी की दुनिया को लोग छोटा पर्दा कहते हैं लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की तरह छोटे पर्दे के कलाकार भी घर-घर जाने जाते हैं। को लेकर टेंशन में सो नहीं पाएगी साथ ही वो इस बात को लेकर भी चिढ़ी हुई है कि लक्ष्मी ऋषि के साथ कमरे में होगी। मलिष्का चाहती है कि जल्दी से जल्दी बलविंदर का चैप्टर एक हाथ तो छूटेगा ही न..मम्मी। वहीं समर भी कहता है कि जब अनु ने आपको मम्मी कहा तो बहुत अजीब सा लगा। इस तरह से अनुपमा और उसके बच्चों के बीच दूरी आती दिखाई

जितनी उत्सुकता लोगों ने फिल्म रिलीज की होती है, उतनी ही सीरियल का अगले एपिसोड की कहानी जानने को लेकर होती है। टीवी सीरियल्स की कहानी में रोज नए ट्विस्ट और टर्न्स आते हैं, जो दर्शकों में आगे की कहानी जानने की एक्साइटमेंट बढ़ाते रहते हैं। तो चलिए जानते हैं सोमवार को भाग्य लक्ष्मी से लेकर अनुपमा और ये है चाहतें तक में क्या नया धमाका होने वाले हैं। भाग्य लक्ष्मी के 18 जुलाई के एपिसोड में लक्ष्मी ने ऋषि के कमरे से मलिष्का को बाहर कर देगी। इसके बाद मलिष्काबलविंदर क्लोज हो जाए। वहीं बलविंदर का दोस्त गुड्डू उसे भगा कर ले जाएगा। एक बार फिर से ऋषि और लक्ष्मी परेशान हो जाएंगे और उसे ढूंढेंगे। सीरियल अनुपमा में आप रूपाली गांगुली यानी अनुपमा के आगे एक और नई चुनौती है। जहां अनु को गोद लेने से कपाडि़या और शाह दोनों परिवारों में हंगामा मचा हुआ है, वहीं अनुपमा के बच्चे भी इस फैसले से खासा खुश दिखाई नहीं दे रहे हैं। अनुपमा का बड़ा बेटा परितोष पहले ही इस बात से खुश हीं है और कहता है कि जब आप इतने हाथ पकड़ेंगी तो एक न पर जमकर प्यार भी लुटा रहे है। भारती और हर्ष के बेटे की इन तस्वीरों पर फैंस के साथ- साथ कई सेलेब्स भी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है। अभिनेत्री गौहर खान ने लक्ष्य की तस्वीरों पर कमेंट कर उन्हें आशीर्वाद दिया। वहीं, एक्ट्रेस अली गोनी ने लक्ष्य की इन फोटोज पर कमेंट करते हुए लिखा, माशाल्लाह, अल्लाह बुरी नजर से बचाए। इसके अलावा सारा खान ने भारती के बेटे को क्यूटी पाई बताया है। इसके अलावा फैंस भी लगातार इन तस्वीरों पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, उफ्फ कितना क्यूट है। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, ओ कितना क्यूट है। एक और यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, गोला किनन क्यूट है। गौरतलब है कि हर्ष लिंबाचिया और भारती सिंह ने तीन दिसंबर 2017 को एक- दूसरे से शादी की थी। अपनी शादी के पांच साल बाद यानी इसी साल तीन अप्रैल को दोनों ने अपने पहले बेटे का स्वागत किया। बेटे के जन्म के कुछ समय बाद कपल ने फैंस के साथ अपने बेटे की तस्वीरें साझा की थी।

समंदर किनारे मौनी का बोल्ड लुक और रानी ने फ्लॉन्ट किया फिगर

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक ऐसी जगह है, जहां हर रोज कुछ न कुछ नया होता ही रहता है। इंडस्ट्री में रोज सेलिब्रिटी कोई ने कोई नया अपडेट देते हैं, जिन्हें फैंस सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल कर देते हैं। फैंस भी अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ी

हर अपडेट को जानना चाहते हैं। कोई अपनी फिल्म के प्रमोशन में बिजी रहता है, तो कोई अपने काम से दूर छुट्टियां मनाने गया हुआ है। अपने फैंस की इस चाहत को पूरा करने के लिए उनके पसंदीदा सितारे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें अपडेट करते रहते हैं। तो ग्लैमर की इस दुनिया से आज हम आपके लिए बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की खूबसूरत तस्वीरें लेकर आए हैं। चलिए जानते हैं कि आज किस सेलिब्रिटी ने क्या अपडेट दिया है- अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों से अक्सर लोगों का दिल जीतने वाली मौनी रॉय आज फिर इंटरनेट पर छा गई हैं। मौनी ने एक बार फिर अपनी कुछ बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिनमें वह समंदर किनारे टॉपलेस बैठी नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में उन्होंने बोल्डनेस की हारे हदें पार कर दी हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा किसी पहचान की मौहताज नहीं हैं। वह अक्सर अपने पति विराट कोहली के साथ वेकेशन पर जाती रहती हैं, जहां से वह सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें साझा करती हैं। आज भी उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक प्यारी सी फोटो साझा की है, जिसमें वह अपने फैंस को 'हाय' कह रही हैं। इस तस्वीर में उनका नो मेकअप लुक नजर आ रहा है। इन दिनों अपनी फिल्म गुड लक जैरी को लेकर चर्चाओं में चल रही अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं। यह फिल्म 'डिजनेहॉटस्टार' पर रिलीज की जाएगी। इस फिल्म के सेट से जान्हवी ने अपना लुक सोशल मीडिया पर साझा किया है। इन तस्वीरों में जान्हवी आंखों में काजल और बिंदी लगाए शीशे में देख रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह अपने बालों को संवारती हुई भी दिख रही हैं। ललित मोदी के साथ अपने रिश्ते को लेकर अचानक से सुखिर्यों में आईं अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने आज अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करके अपने रिश्ते को लेकर चुप्पी तोड़ी है। इस तस्वीर में वह अपनी दोनों बेटियों के साथ नजर आ रही हैं। सुष्मिता और उनकी बेटियों के चेहरों की मुस्कान बता रही है कि तीनों बहुत खुश हैं।भोजपुरी क्वीन रानी चटर्जी अपनी फिटनेस को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं, उन्हें फिटनेस फ्रीक कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा। वह अक्सर अपनी वर्कआउट की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। आज भी अभिनेत्री ने अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह वर्कआउट आउटफिट में मिरर सेल्फी लेती दिख रही हैं। रानी की परफेक्ट बॉडी और चेहरे का ग्लो फोटो में साफ नजर आ रहा है। जिम वियर में रानी बहुत खूबसूरत लग रही हैं। रानी चटर्जी की तरह ही छोटे पर्दे की अभिनेत्री और सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी अवनीत कौर भी अपनी फिटनेस को लेकर बहुत सहज हैं।

'पैसों के लिए ये सब', ललित-सुष के रिश्ते पर बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। सुष्मिता सेन और ललित मोदी के रिश्ते ने हर किसी को हैरानी में डाल दिया है। कुछ दिनों पहले ही ललित मोदी ने ट्विटर पर कुछ तस्वीरें शेयर कर सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। दोनों की रोमांटिक तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। आम इंसान ही नहीं बल्कि सेलेब्स भी दोनों के रिश्ते पर बोलने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। वहीं, अब सुष्मिता और ललित के रिश्ते पर बांग्लादेशी मूल की लेखिका तसलीमा नसरीन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सुष्मिता और ललित के रिश्ते पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, तसलीमा नसरीन ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सुष्मिता सेन से एक सवाल किया है। लेखिका ने अपने पोस्ट की शुरुआत सुष्मिता सेन की तारीफों से की। उन्होंने लिखा, 'मैं सुष्मिता से एक बार मिली हूं। हमारी मुलाकात कोलकाता एयरपोर्ट पर हुई थी। उन्होंने मुझे गले भी लगाया था और आई लव यू कहा था। उस दिन मैं उनकी खूबसूरती से नजर नहीं हटा पा रही थी। सुष्मिता काफी पॉपुलर हैं और मुझे वह पसंद भी हैं। उन्होंने छोटी उम्र में दो बेटियों को गोद लिया। उनकी सच्चाई, बहादुरी, सतर्कता, हर मुद्दे पर जागरुक रहना काफी पसंद है।' इसके आगे तसलीमा नसरीन ने लिखा, 'अब सुष्मिता एक ऐसे इंसान के साथ समय गुजार रही हैं, जो बिल्कुल भी आकर्षक नहीं है और कई अपराधों से जुड़ा हुआ। क्योंकि आदमी अमीर है। क्या पैसों के लिए उन्होंने ये सब किया है? हो सकता है कि वह उस आदमी को प्यार करती है लेकिन यकीन नहीं होता कि सुष्मिता प्यार में है।

भारती सिंह के बेटे का हैरी पॉटर लुक हुआ वायरल, लेटेस्ट तस्वीरें देख फैंस ने कहा- उफ्फ कितना क्यूट है

नई दिल्ली। कॉमेडियन ने हाल ही में अपने बेटे की लेटेस्ट तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की है। इंस्टाग्राम पर साझा की गई इन तस्वीरों में उनका बेटा हैरी पॉटर के लुक में नजर आ रहा है। मशहूर कॉमेडियन और टीवी होस्ट भारती सिंह इन दिनों अपने बेटे के साथ समय बिता रही हैं।

कुछ महीने पहले ही मां बनीं भारती ने हाल ही में फैंस के साथ अपने बेटे की झलक साझा की थी। सोशल मीडिया पर शेयर की गई अपने बेटे की तस्वीर के साथ ही एक्ट्रेस ने बेटे के नाम का भी खुलासा किया था। इसकी बीच अब कॉमेडियन ने हाल ही में अपने बेटे की लेटेस्ट तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की है। इंस्टाग्राम पर साझा की गई इन तस्वीरों में उनका बेटा हैरी पॉटर के लुक में नजर आ रहा है। भारती सिंह ने सोशल मीडिया पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उनका बेटा लक्ष्य हैरी पॉटर बना हुआ है। हैरी बने लक्ष्य इन तस्वीरों में बेहद प्यारे लग रहे हैं। सामने आईं इन तस्वीरों में नन्हे लक्ष्य के सिर पर भूरे रंग की टोपी, काले रंग का राउंड फ्रेम वाला चश्मा और हाथ में छड़ी लिए बेहद प्यारे अंदाज में सोते हुए नजर आ रहे हैं। लक्ष्य की इन तस्वीरों को देख फैंस अपना दिल हार बैठे हैं। साथ ही इस

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008- टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते है हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

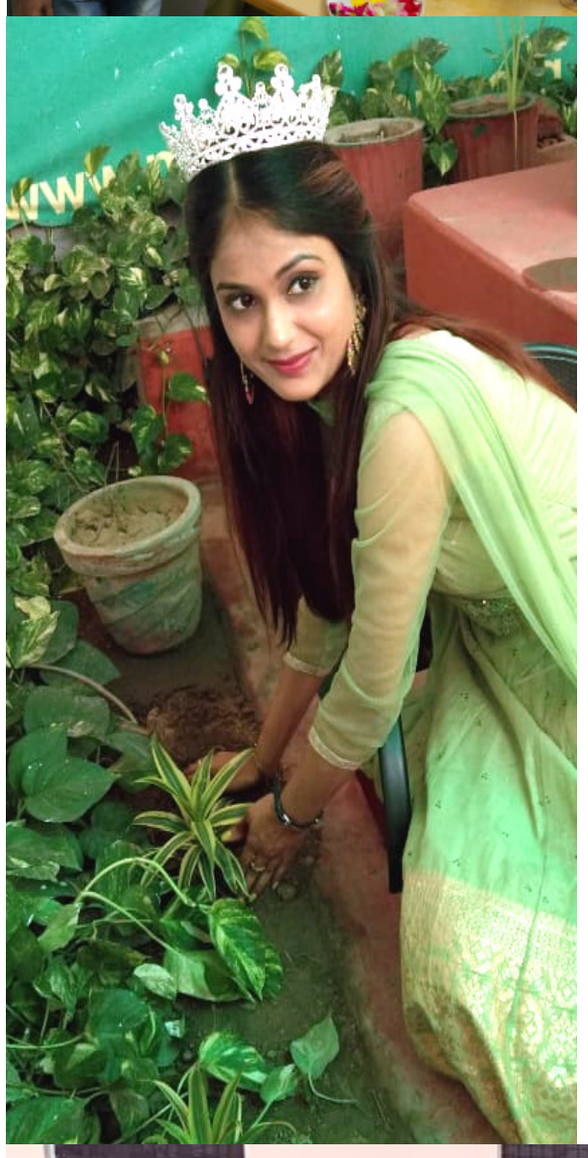

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायों मे अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्युनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274